दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-156 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 29 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट से प्रदर्शनकारी छात्रों को राहत; हिंसा की एसआईटी जांच के आदेश, छात्र रिहा होंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न राज्यों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामले में प्रदर्शनकारियों को अंतरिम राहत प्रदान की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आदेश दिया कि प्रदर्शन में शामिल छात्रों के विरुद्ध फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। साथ ही विभिन्न राज्यों में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सभी नाबालिगों को तत्काल रिहा करने के निर्देश दिए।हालांकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह संरक्षण आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल 989 ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने का दावा किया है, जिनके विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उच्चतम न्यायालय ने प्रदर्शन से जुड़े सभी निगरानी कैमरों के दृश्य, मानवरहित विमान (ड्रोन) की रिकॉर्डिंग, बेतार संचार अभिलेख तथा अन्य सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने यह भी कहा कि पुलिस प्रदर्शनकारियों के डिजिटल आँकड़ों और व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक नहीं करेगी।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि पुलिस की कथित ज्यादतियों के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। पीठ ने हिंसक घटनाओं की निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा तथा संकेत दिया कि जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल का गठन किया जा सकता है।इस संबंध में न्यायालय ने केंद्र सरकार के साथ-साथ असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों से जवाब तलब किया है। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर भी ध्यान दिया कि प्रदर्शन के दौरान छर्रा बंदूक का इस्तेमाल किया गया, जिससे कई छात्रों को गंभीर चोटें आईं। न्यायालय को बताया गया कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी चली गई है।याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि हालात पर नियंत्रण के नाम पर सुरक्षा बलों ने रबर की गोलियां, विद्युत आघात देने वाले डंडों तथा कीलों से जड़ी लाठियों का इस्तेमाल किया। इसके अतिरिक्त सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती का आरोप भी न्यायालय के समक्ष रखा गया। उच्चतम न्यायालय देशभर में 20 जुलाई को प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित बर्बरता से संबंधित अनेक याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन में देरी की तो काटने होंगे कोर्ट के चक्कर; मोदी सरकार ला रही संशोधन बिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सख्त बनाने की तैयारी में है। इसके लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 संसद सदस्यों के बीच वितरित कर दिया गया है। प्रस्तावित संशोधन के तहत दो वर्ष से अधिक की देरी से होने वाले जन्म या मृत्यु पंजीकरण के लिए अब केवल प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अनुमति मिलने के बाद ही पंजीकरण किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से नागरिक पंजीकरण प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी, फर्जी दावों पर अंकुश लगेगा और लोगों को समय पर जन्म एवं मृत्यु की सूचना दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

हिमाचल प्रदेश के चंबा ज़िले के ओवडी इलाके में रात भर हुई भारी बारिश के कारण हुए ज़बरदस्त भूस्खलन से एक खुदाई करने वाली मशीन (एक्सकेवेटर) क्षतिग्रस्त हो गई है।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ बड़ा हादसा, गांदरबल में मकान पर गिरी बस; 30 श्रद्धालु घायल

गांदरबल (आरएनएस)। बाबा बर्फानी के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलवार को उस समय भयानक हादसे में बदल गई, जब गांदरबल के गुंड इलाके में उनकी बस एक जानलेवा मोड़ पर

अनियंत्रित हो गई। 39 यात्रियों से भरी यह बस सड़क से फिसलते हुए सीधे नीचे बने एक मकान पर जा गिरी, जिससे मौके पर भारी चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में करीब 30 श्रद्धालु घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज के सख्त निर्देश दिए हैं।हादसे की मुख्य वजह पहाड़ी रास्ते का खतरनाक होना और बस का बेकाबू होना बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बस जैसे ही गनीवान के पास एक संकरे रास्ते से गुजर रही थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से नीचे फिसलकर सीधे एक रिहायशी मकान पर जा गिरी। दुर्घटना की तेज आवाज सुनते ही स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए दौड़े। इसके तुरंत बाद पुलिस, आईटीबीपी (ITBP), सीआरपीएफ (CRPF) और भारतीय सेना की संयुक्त टीमों ने तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से पहले मंत्रालय बदलना चाहती थी केंद्र सरकार, सीजेपी नहीं मानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के बीच कंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय बदलना चाहती थी, लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इसके लिए तैयार नहीं थी।रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधान के इस्तीफा सौंपने से पहले सरकार ने सीजेपी के साथ समझौता करने के लिए प्रधान के मंत्रालय में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह सीजेपी के पदाधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रियों ने सीजेपी पदाधिकारियों से कहा था कि कैबिनेट में फेरबदल करना प्रधानमंत्री क ा विशेषाधिकार है, जिसमें शिक्षा मंत्री किसी और को नियुक्त किया जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा पर पूरे प्रदेश में भव्यता से मनाया जाएगा "महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व"

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना का होगा शुभारंभ; 102 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी एक-एक लाख की छात्रवृत्ति

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कारों और राष्ट्रनिर्माण के मूल्यों से नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए इस वर्ष गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) को संपूर्ण मध्य प्रदेश में 'महर्षि सांदीपनि गुरू पर्व' मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में गुरु-पूजन, सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रम, छात्र-शिक्षक संवाद और भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा।मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री तिवारी ने बताया कि इस पर्व का मुख्य आकर्षण 'भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना' का शुभारंभ होगा। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा आयोजित इस योजना के तहत प्रदेश भर के 102 मेधावी विद्यार्थियों (51 विद्यालयीन एवं 51 महाविद्यालयीन/विश्वविद्यालयीन) का चयन किया जाएगा। चुने गए प्रत्येक विद्यार्थी को एक लाख रूपये की प्रोत्साहन छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह प्रतियोगिता भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं, 64 कलाओं, महर्षि सांदीपनि और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी, जिसमें विजेताओं का अंतिम चयन पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में खाई में गिरी कार, परिवार के 5 सदस्यों की मौत

बंबा, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन के बीच एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां के चंबा जिले में सोमवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा भरमौर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहड़ के पास हुआ है। मृतकों में 2 महिला, 2 पुरुष और एक 3 माह की बच्ची शामिल हैं। बचन सिंह (60) और उनके परिवार के सदस्य सोमवार को चंडीगढ़ पीजीआई से बच्ची का इलाज कराकर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। कार बचन सिंह चला रहे थे। उसमें उनके बेटे रिपन कुमार (30), बहु रिम्पी (26), भतीजी कीर्ति और 3 महीने की पोती सवार थे। कीर्ति चंडीगढ़ में पढ़ाई करती है, जो उनके साथ लौट रही थी।हादसे की सूचना के बाद लगातार बारिश और बनीखेत के समीप राजमार्ग बाधित होने से टीम थोड़ी देर में पहुंची।चंबा समेत कई जिलों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सड़कें बंद हो चुकी हैं, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया है।

भारतीय मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे में चंबा में 137.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है।

तलाक के आदेश के बाद पति की मौत, फिर भी नहीं छीनेगा पत्नी का अधिकारः गुजरात हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

अहमदाबाद (आरएनएस)। फैमिली कोर्ट से तलाक का आदेश मिलने के बाद यदि पति की मौत हो जाती है, तो भी पत्नी का कानूनी हक खत्म नहीं होगा. गुजरात हाई कोर्ट ने शादी, तलाक और विरासत के अधिकारों को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है.

हाई कोर्ट के मुताबिक, तलाक के मामलों में बात सिर्फ शादी टूटने तक सीमित नहीं होती. इसका सीधा असर महिला की सामाजिक पहचान, विधवा के रूप में उसके कानूनी दर्जे और पति की संपत्ति में मिलने वाले हिस्से (विरासत के अधिकार) पर पड़ता है. इसलिए पति की मृत्यु के बाद भी कानूनी अपील बंद नहीं होगी, और हाई कोर्ट को अगर सही लगता है तो वह फैमिली कोर्ट के तलाक के फैसले को पलट (रद्द) भी सकता है.

यह पूरा मामला आनंद जिला फैमिली कोर्ट से जुड़ा है. यहां याचिकाकर्ता महिला और उसके पति के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा था. दोनों का विवाह वर्ष 1976 में हुआ था और उनके छह बच्चे हैं. पति ने डिवोर्स एक्ट, 1879 के तहत तलाक की याचिका दायर की थी. जिसमें पत्नी पर परित्याग (छोड़कर जाने) का आरोप लगाया गया था.

भोपाल में बीच सड़क पर डटे हजारों किसान

CISR के सामने पुलिस ने रोका, होशंगाबाद रोड और एम्स मार्ग पर भारी जाम, CM हाउस कूच का ऐलान

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी और खाद वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को राजधानी भोपाल पहुंचे करीब 2 हजार किसानों ने होशंगाबाद रोड पर डेरा डाल दिया है। मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे प्रदर्शनकारी किसानों को पुलिस ने सीआईएसआर (CISR) के सामने बैरिकेड्स और बसें लगाकर रोक दिया, जिसके बाद किसान सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। किसान नेताओं ने स्पष्ट ऐलान किया है कि वे पूरी रात सड़क पर ही बिताएंगे और बुधवार सुबह एक बार फिर मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करेंगे। किसान संगठनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। होशंगाबाद रोड, एम्स और कटारा हिल्स में 3 चरू लंबा जामट्रैफिक डायवर्जन- पुलिस द्वारा 11 मील से वाहनों का रूट डायवर्ट किए जाने के कारण कटारा हिल्स मार्ग पर करीब 3 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।प्रभावित इलाके- होशंगाबाद रोड, एम्स (AIIMS), बंसल प्लाजा और कटारा हिल्स रोड पर गाड़ियां घंटों रेंगती नजर आईं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सीएम हाउस की तरफ बढ़ रहे किसानों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए। सड़क के बीचों-बीच बसें खड़ी कर और वाटर कैनन तैनात कर रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया।

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी को बलात्कारियों को संरक्षण देने वाला घिनौना आदमी कहा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को नए कार्यवाहक केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें सबसे घिनौना आदमी बताया। कांग्रेस सांसद ने संसद परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठाया। राहुल ने कहा कि जो व्यक्ति बलात्कारियों को संरक्षण देने की बात कहता है, उससे घिनौना व्यक्ति कोई नहीं हो सकता।

राहुल ने पत्रकारों से कहा, भाजपा ने भारत के शिक्षा मंत्री के तौर पर एक ऐसे व्यक्ति को चुना है, जो बलात्कारियों का बचाव करता है। वह बेहद घिनौना किस्म का इंसान है। जो व्यक्ति यह कहे कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है, उससे ज़्यादा घिनौना इंसान कोई नहीं हो सकता। आज भारत के शिक्षा मंत्री वही व्यक्ति हैं। प्रधानमंत्री कैबिनेट में किसी को भी चुन सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों को बचाता है।

साइबर ठगी रोकने के लिए सरकार ने बनाया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

-कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भारतीय डिजिटल भुगतान खुफिया निगम करेगा रियल टाइम निगरानी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण

पहल की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहयोग से भारतीय डिजिटल भुगतान खुफिया निगम (आईडीपीआईसी) की स्थापना की है। यह नया मंच बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिससे साइबर ठगी के मामलों को समय रहते रोका जा सकेगा और लोगों की मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सकेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि भारतीय डिजिटल भुगतान खुफिया निगम अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्र अधिगम और वृहद आंकड़ा विश्लेषण का उपयोग करेगा। इन तकनीकों की सहायता से संदिग्ध लेनदेन और धोखाधड़ी से जुड़े संकेतों की तत्काल पहचान की जाएगी। इसके बाद संबंधित बैंकों और वित्तीय संस्थानों को वास्तविक समय (रियल टाइम) में चेतावनी संदेश भेजे जाएंगे, ताकि वे तुरंत आवश्यक कदम उठाकर ग्राहकों को साइबर ठगी से बचा सकें और संभावित आर्थिक नुकसान को कम कर सकें।

लोकसभा में बांसुरी स्वराज बोली- विपक्षी सरकारों में सबसे ज्यादा हुए पेपर लीक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान सियासी माहौल काफी गर्म दिखाई दिया. इस दौरान बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने सरकार का पक्ष रखते हुए विपक्ष पर कई

तीखे सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि परीक्षा में धांधली और पेपर लीक केवल किसी एक राज्य या दल का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय है. इसलिए इस पर राजनीति करने के बजाय सभी दलों को एकजुट होकर सख्त कानून का समर्थन करना चाहिए.उन्होंने अपने भाषण में कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य परीक्षा माफिया पर शिकंजा कसना और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना है.बांसुरी स्वराज ने कहा कि एंटी पेपर लीक बिल केंद्र सरकार की संवेदनशील सोच को दर्शाता है. उनके मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि पेपर लीक एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता.उन्होंने कहा कि सरकार केवल बयान देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए कानून लेकर आई है. उनका दावा था कि यह विधेयक जांच एजेंसियों को अधिक प्रभावी तरीके से कार्रवाई करने का अधिकार देगा और संगठित परीक्षा माफिया पर कड़ी निगरानी रखी जा सकेगी।

पेपर लीक विधेयक पर लोकसभा में तीखी नोकझोंक, प्रियंका गांधी के बयान से सदन में हंगामा

आप नाराज हो रहे हैं, थोड़ा मुस्करा लीजिए कहकर स्पीकर से बोलीं प्रियंका, सरकार पर शिक्षा व्यवस्था विफल करने का आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में मंगलवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने, प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने तथा छात्रों के साथ कठोर व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके भाषण के दौरान कई बार हंगामा हुआ और सत्ता पक्ष ने उनके कुछ बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई।चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि देश की परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और लगातार प्रश्नपत्र लीक होने से करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में कई कमियां आ चुकी हैं और सरकार अब तक प्रश्नपत्र लीक के कथित दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने में असफल रही है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के गठन के बाद परीक्षा प्रणाली का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ, जिससे समस्याएं बढ़ीं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि शिक्षा पर होने वाले सरकारी व्यय का अनुपात अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ रहा है।प्रियंका गांधी ने दिल्ली में प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सरकार से पूछा कि प्रदर्शनकारी छात्रों के विरुद्ध बल प्रयोग की आवश्यकता क्यों पड़ी और इसके लिए जिम्मेदार कौन था। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर सदन और देश के सामने जवाब देना चाहिए।अपने संबोधन के दौरान प्रियंका गांधी ने नए कार्यवाहक शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी की नियुक्ति को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मंत्री के संबंध में एक टिप्पणी की, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे किसी व्यक्ति के चरित्र पर हमला बताते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणियां संसदीय मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं और इन्हें सदन की कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रियंका गांधी से माफी की भी मांग की।इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे कुछ समय के लिए सदन का माहौल गरमा गया।हंगामे के बीच जब प्रियंका गांधी को दोबारा बोलने का अवसर मिला तो उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुस्कराते हुए कहा, आप मुझ पर नाराज हो रहे हैं,

निशातपुरा स्टेशन का हुआ शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मालवा एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, भोपाल को मिला चौथा रेलवे स्टेशन

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निशातपुरा स्टेशन से मालवा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यहां उसके नियमित ठहराव की शुरुआत की। साथ ही जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस के नए स्टॉपेज का भी शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही निशातपुरा भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन बन गया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक विष्णु खत्री, महापौर मालती राय, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से उज्जैन और इंदौर की ओर जाने वाली ट्रेनों को अब इंजन या ट्रैक बदलने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे रेल संचालन और अधिक सुगम बनेगा। उन्होंने कहा कि मालवा एक्सप्रेस का वैष्णो देवी और सोमनाथ एक्सप्रेस का सोमनाथ धाम से सीधा जुड़ाव होने के कारण निशातपुरा स्टेशन का महत्व और बढ़ गया है। सिंहस्थ सहित भविष्य में बढ़ने वाले यात्री दबाव को देखते हुए यह स्टेशन मुख्य भोपाल रेलवे स्टेशन का भार कम करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 14 करोड़ रुपए की लागत से विकसित निशातपुरा स्टेशन केवल रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास का नया केंद्र बनेगा। इससे आसपास के इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और व्यापार, रोजगार व स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

रेलवे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद मध्यप्रदेश में करीब 2,800 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाई गई है और प्रदेश का पूरा रेल नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब प्रतिदिन औसतन 34 किलोमीटर रेल लाइन बिछाई जा रही है। वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना, तीसरी-चौथी रेल लाइन और भोपाल में प्रस्तावित लगभग 1,800 करोड़ रुपए की रेलवे कोच फैक्ट्री जैसी परियोजनाएं प्रदेश में रेलवे के तेजी से हो रहे विस्तार का उदाहरण हैं।

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन का संचालन शुरू होना नरेला विधानसभा सहित पूरे भोपाल के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि रेलवे के इस विस्तार से शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी।

मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी की धीमी रफ्तार पर कमलनाथ सरकार पर हमला, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मूंग की सरकारी खरीद की धीमी गति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों के हित में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित खरीद लक्ष्य के मुकाबले अब तक केवल दो प्रतिशत मूंग की खरीद हुई है, जिससे किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं। कमलनाथ ने मंगलवार को अपने पत्र में लिखा कि मध्य प्रदेश देश का सबसे बड़ा मूंग उत्पादक राज्य है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश से 4.54 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदने का लक्ष्य तय किया है, जो देश की कुल सरकारी मूंग खरीद का लगभग 87 प्रतिशत है। इसके बावजूद मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 16 जुलाई तक निर्धारित लक्ष्य का केवल दो प्रतिशत ही खरीदा जा सका है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद की धीमी प्रक्रिया किसानों के साथ अन्याय है। यदि केंद्र सरकार ने इतना बड़ा खरीद कोटा स्वीकृत किया है, तो राज्य सरकार को तत्काल बड़े पैमाने पर खरीद सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की, ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके और उन्हें कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े। प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग खरीद में देरी और कथित अव्यवस्थाओं को लेकर किसानों का विरोध लगातार बढ़ रहा है। हरदा, बैतूल सहित कई जिलों में किसान प्रदर्शन कर चुके हैं और खरीद व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। विपक्षी कांग्रेस भी इस मुद्दे को लगातार उठाते हुए सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगा रही है। कमलनाथ ने अपने पत्र में कहा कि किसानों की परेशानियों को देखते हुए मूंग खरीद अभियान में तत्काल तेजी लाई जाए और प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कदम उठाकर किसानों के संकट का शीघ्र समाधान किया जाए।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता

इंदौर में 1 लाख 75 हजार से अधिक नागरिकों ने एक साथ नशामुक्ति की ई-शपथ लेकर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 (Say No To Drugs) अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जनभागीदारी का नया इतिहास रचते हुए एक साथ 1लाख 75 हजार 451 नागरिकोंको नशामुक्ति की ई-शपथ दिलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौर, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस एवं नागरिकों की साझा प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। अभियान के अंतर्गत 28 जुलाई 2026 को आयोजित राज्य के सबसे बड़े ई-शपथ कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, शासकीय एवं निजी संस्थाओं, कॉर्पोरेट कार्यालयों, सामाजिक संगठनों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता करते हुए नशे से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। मुख्य कार्यक्रम इंदौर पुलिस आयुक्त कार्यालय से आयोजित किया गया, जहां से ज़ूम, यूट्यूब लाइव एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस इकाइयों, थानों, पुलिस लाइन, आरएपीटीसी, बटालियन पीटीसी, होमगार्ड, निजी संस्थानों, कॉर्पोरेट कार्यालयों, रिहेबिलिटेशन सेंटर तथा अन्य संगठनों को जोड़ा गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की सामूहिक ई-शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर दी बधाई

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, स्वास्थ्य विभाग, आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की टीम तथा योजना से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का मध्यप्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है। मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दीं।

भोपाल में सफाईकर्मियों का प्रदर्शन, नियमितीकरण, बीमा और ग्रेच्युटी समेत पांच प्रमुख मांगों को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे कर्मचारी

भोपाल, (ए.)। भोपाल नगर निगम के सफाईकर्मियों ने मंगलवार को कर्मचारी हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर शहर में रैली निकाली और कलेक्टोरेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सफाईकर्मी हाथों में झाड़ू लेकर अपनी मांगों के समर्थन में शामिल हुए।

भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष सोनू डागर के नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, ग्रेच्युटी, महंगाई भत्ता और दुर्घटना बीमा जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया। कर्मचारियों की ओर से डिप्टी कलेक्टर लाखन सिंह को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

कर्मचारियों ने रखीं पांच प्रमुख मांगें

* 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को नियमित किया जाए।
* 10 वर्ष से कम सेवा वाले कर्मचारियों का न्यूनतम मासिक वेतन 20 हजार रुपये निर्धारित किया जाए।
* समान कार्य के लिए समान वेतन का सिद्धांत लागू किया जाए।
* सभी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और समय पर महंगाई भत्ते का लाभ दिया जाए।
* कार्य के दौरान दुर्घटना की स्थिति में बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा कर्मचारियों के लिए विशेष सहयोग कोष का गठन किया जाए।

लंबित मांगों का जल्द समाधान हो

संघ के जिलाध्यक्ष सोनू डागर ने कहा कि नगर निगम में वर्षों से कार्यरत सफाईकर्मी कठिन परिस्थितियों में शहर की सफाई व्यवस्था संभाल रहे हैं, इसलिए उन्हें उनके अधिकारों के अनुरूप सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से मांगों पर सकारात्मक विचार का आश्वासन मिला है और उम्मीद है कि जल्द ही कर्मचारियों के हित में निर्णय लिया जाएगा।

रैली और ज्ञापन कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी शेरा वैद, संभाग अध्यक्ष रामसेवक पथरे, जिला कार्यकारी अध्यक्ष नितिन सेंगर, संगठन मंत्री धीरज कटारे, मोहसिन खान, कृपा शंकर कोटियाना, सचिन कंजेले, बसंत ढोलपुरे, तेजमल मालवीय, विनोद करोसिया, विनोद खटक सहित बड़ी संख्या में सफाईकर्मी और संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मप्रः ग्रीन हाइड्रोजन समेत स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे क्रिस्प और मैनिट

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे।जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्रिस्प और मैनिट के बीच ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कौशल विकास, अनुसंधान एवं स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर हुए। एमओयू पर मैनिट की डीन प्रो. (डॉ.) अनुपमा शर्मा एवं क्रिस्प के सहायक महाप्रबंधक (ए.जी.एम) फैसल जाफरी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर क्रिस्प की ओर से डिप्टी मैनेजेर अविनाश जैन एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर शिवम आर. वर्मा उपस्थित रहे। वहीं मैनिट की ओर से एच.ओ.डी एवं एसोसिएट प्रोफेसर केमिकल इंजीनियरिंग, डॉ. मीना अग्रवाल (प्रभारी एच.ओ.डी, डिपार्टमेंट ऑफ़ एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग)प्रो. (डॉ.) सुरेश सुंदरमूर्ति सहित अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकगण मौजूद रहे। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विजन के अनुरूप देश में ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन तथा कार्बन न्यूट्रल तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भोपाल के कलियासोत डैम के वेटलैंड में 'मड स्टंट' पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 वाहन जब्त, स्टंटबाजों पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कलियासोत डैम के वेटलैंड क्षेत्र में वाहनों से खतरनाक स्टंटबाजी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में मंगलवार को रातीबड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 चारपहिया वाहन जब्त किए हैं। पुलिस ने स्टंटबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी पहचान और गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रविवार 26 जुलाई को कलियासोत डैम के वेटलैंड क्षेत्र में कई वाहन चालक कीचड़ और जलभराव वाले इलाके में तेज रफ्तार से स्टंट करते नजर आए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद थे, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता था। स्टंटबाजी के कारण प्राकृतिक जलाशय को भी नुकसान पहुंचा और पर्यावरण प्रदूषित होने की आशंका बनी।

पुलिस की जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

रातीबड़ थाना पुलिस ने बताया कि कार्रवाई से बचने के लिए कई स्टंटबाजों ने वाहनों पर जमी मिट्टी साफ कर दी थी, ताकि नंबर प्लेट और पहचान छिपाई जा सके। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों, वीडियो फुटेज और खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल किए गए वाहनों और उनके मालिकों की पहचान कर ली है। फिलहाल 10 वाहन जब्त किए जा चुके हैं, जबकि अन्य आरोपियों और वाहनों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 281, 170, 271 और 279 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर मानव जीवन को खतरे में डाला, प्राकृतिक जलाशय को प्रदूषित किया और संक्रमण फैलने की आशंका उत्पन्न की।पुलिस आयुक्त संजय कुमार और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देश पर शहर में स्टंटबाजी और खतरनाक वाहन संचालन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-1 अखिल पटेल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रश्मि अग्रवाल दुबे तथा सहायक पुलिस आयुक्त अंकिता खातरकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

आयुष्मान भारत योजना के निरीक्षण में श्री हरि मल्टीकेयर हॉस्पिटल अक्रियाशील पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी

भोपाल (आरएनएस)। अपर मुख्य सचिव के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत योजना की टीम द्वारा श्री हरि मल्टीकेयर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल अक्रियाशील पाया गया। साथ ही योजना के प्रावधानों के उल्लंघन सहित विभिन्न अनियमितताएं भी पाई गई। इसके फलस्वरूप अस्पताल को कारण बताओ (Show Cause) नोटिस जारी किया गया। प्रकरण को गंभीरता दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल के राज्य स्तरीय पैनलमेंट (State Empanelment) को निलंबित किए जाने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। अस्पताल प्रबंधन को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना पक्ष एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त स्पष्टीकरण, निरीक्षण प्रतिवेदन तथा उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के उपरांत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। योजना के प्रावधानों का उल्लंघन करने अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी अनुभव ही बनेंगे प्रशिक्षण, डिजिटल नवाचार और सेवा सुधार की नई दिशा

राज्य स्तरीय विचार-मंथन में आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने किया सीधा संवाद

भोपाल, (ए.)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण एवं रूपांतरण के उद्देश्य से मंगलवार को संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, भोपाल में राज्य स्तरीय विचार-मंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागों से चयनित सक्रिय, नवाचारी एवं कार्य के प्रति समर्पित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव, नवाचार और जमीनी चुनौतियों को विस्तार से सुना।आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि इस कार्यशाला में शामिल लगभग 90 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उच्च शिक्षित हैं। मध्यप्रदेश की आंगनवाड़ी व्यवस्था अब नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और दक्ष मानव संसाधन के साथ बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है। इस कार्यशाला से उच्च शिक्षित कार्यकर्ताओं की भागीदारी से विभाग को जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण सुझाव प्राप्त किये जायेंगे, जो भविष्य की नीतियों और सुधारों का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाली कर्मी नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक जागरूकता की सबसे सशक्त कड़ी हैं। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि विकसित बचपन ही विकसित मध्यप्रदेश की नींव है और इस लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण भागीदार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। विभाग की प्रत्येक नई पहल, प्रशिक्षण व्यवस्था और तकनीकी सुधार उनके अनुभवों एवं सुझावों को केंद्र में रखकर तैयार किए जाएंगे। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि राज्यस्तरीय विचार-मंथन का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर कार्य कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमताओं चुनौतियों प्रशिक्षण आवश्यकताओं, स्थानीय नवाचारों तथा सेवा प्रदायगी में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना है। इन्हीं अनुभवों के आधार पर विभाग भविष्य के क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रशिक्षण मॉड्यूल, डिजिटल संसाधनों और सेवा प्रदायगी प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाएगा।संवाद के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोषण पुनर्वास, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा समुदाय की सहभागिता, डिजिटल तकनीकों के उपयोग, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, स्थानीय नवाचारों तथा कुपोषण उन्मूलन से जुड़े अनेक सफल प्रयोग साझा किए। कई कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक चुनौतियों और उनके समाधान के व्यावहारिक सुझाव भी दिये। आयुक्त ने नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में विकसित उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का संकलन कर उन्हें पूरे राज्य में मॉडल के रूप में लागू किया जाएगा। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को ऐसा बाल-अनुकूल, स्वच्छ, सुरक्षित, सीखने योग्य और समुदाय-केंद्रित केंद्र बनाया जाए, जहाँ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, बेहतर पोषण और समग्र विकास का अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल सेवा वितरण इकाई नहीं, बल्कि परिवारों और समुदाय के विश्वास का सशक्त केंद्र बनाना है।

सिवनी की 8 ट्रांसमिशन लाइनों ने कायम की मिसाल, करीब 1500 दिनों से निर्बाध जारी है विद्युत पारेषण

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की सिवनी स्थित 8 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विश्वसनीय विद्युत पारेषण का नया मानदंड स्थापित किया है। इन लाइनों पर पिछले लगभग चार वर्षों अर्थात करीब 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है और इनके माध्यम से लगातार निर्बाध विद्युत पारेषण किया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि सिवनी की इन ट्रांसमिशन लाइनों की यह उपलब्धि केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण नहीं है, बल्कि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों एवं अनुरक्षण कार्य में लगे आउटसोर्स कर्मियों की सतत मेहनत और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी पिछले 4 वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं, जो राज्य की मजबूत और भरोसेमंद पारेषण व्यवस्था को दर्शाती हैं।

श्रावण मास में कावड़ यात्रियों की सुरक्षा हेतु खंडवा रोड पर भारी मालवाहन वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने जारी किया आदेश

इन्दौर (ए.)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने श्रावण मास को देखते हुए कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर खंडवा रोड पर भारी माल वाहनों के आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया है। इस यात्रा मार्ग पर तेज रफ्तार भारी मालवाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका को ध्यान में रखते हुए उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वर्मा द्वारा मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत जारी आदेशानुसार, श्रावण मास के दौरान कावड़ यात्रा मार्ग पर भारी मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर समयबद्ध प्रतिबंध लगाया गया है।प्रतिबंध के अनुसार इंदौर से खंडवा की ओर एवं खंडवा से इंदौर की ओर आने-जाने वाले ट्रक/ भार वाहक वाहनों की आवाजाही प्रात: 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक (केवल श्रावण मास हेतु) दिनांक 30 जुलाई से दिनांक 28 अगस्त तक प्रतिबंधित रहेगी।

उक्त वाहन तेजाजी नगर इंदौर से राऊ गोल चौराहा होते हुए एबी रोड से मानपुर एवं बलकवाड़ा होकर देशगांव की ओर जा सकेंगे।यह प्रतिबंध केवल भारी मालवाहक वाहनों पर लागू होगा। शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप तथा दुपहिया वाहन यथावत पूर्ववत चालू रहेंगे। यात्री बस, दूध-वाहन, एलपीजी गैस सप्लाई, पानी टैंकर, एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन आदि आवश्यक सेवाओं से संबंधित वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। यह प्रतिबंध आमजन की सुरक्षा और कावड़ यात्रा के शांतिपूर्ण संचालन हेतु लगाया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

नगर पालिका से 100 मीटर दूर सरकारी स्कूल में 7 छात्र के बीच पहुंच रहा सिर्फ एक

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता सुधारने, नामांकन बढ़ाने और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के दावों के बीच नगर पालिका पसान के वार्ड क्रमांक-8 स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय पसान की स्थिति इन दावों की वास्तविकता उजागर कर रही है। वर्ष 1966 से संचालित इस विद्यालय में वर्तमान में नामावली में केवल सात छात्र दर्ज हैं, लेकिन पिछले एक सप्ताह से नियमित रूप से केवल एक छात्र, अंश कुमार, ही विद्यालय पहुंच रहा है। विद्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार कक्षा-2 में कृष्ण पनिका, कक्षा-3 में प्रिंस बैगा और अमर बैगा, कक्षा-4 में करण बैगा और सृष्टि पनिका तथा कक्षा-5 में बृजेश बैगा अध्ययनरत हैं। वहीं कक्षा-1 में एक नए छात्र का प्रवेश हुआ है, लेकिन प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण उसका नाम दर्ज नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, एक समय इस विद्यालय में छात्र संख्या काफी अधिक थी, लेकिन क्षेत्र में निजी विद्यालयों की संख्या बढ़ने और आसपास अन्य सरकारी स्कूल खुलने के कारण यहां लगातार नामांकन घटता गया।

दतिया में कांग्रेस की जन आशीर्वाद रैली में उमड़ी भीड़, जीतू पटवारी बोले- जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है

दतिया, (ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह के समर्थन में निकाली गई जन आशीर्वाद रैली में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी देखने को मिली।

रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया कि दतिया की जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह 25 हजार से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतेंगे। रैली में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, जयवर्धन सिंह, प्रियव्रत सिंह, फूल सिंह बरैया सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जीतू पटवारी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं को हर क्षेत्र में परिवर्तन की स्पष्ट जनभावना दिखाई दी है। उनका दावा था कि भाजपा के विकास संबंधी दावों की सच्चाई अब जनता के सामने आ चुकी है और मतदाता इस उपचुनाव में लोकतंत्र, पारदर्शिता, विकास और जनहित के पक्ष में अपना जनादेश देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रदेश में भय और दबाव का माहौल बनाने का प्रयास किया है, लेकिन दतिया की जनता लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देने के लिए तैयार है।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 162 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर (ए.)। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हुई जन-सुनवाई में 162 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत व एडीएम सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक - एक कर

सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं।नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के नि:शुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया। जन-सुनवाई में कुल 162 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 105 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही शेष 57 आवेदन विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये आवश्यक टीप के साथ दिए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं नापतौल विभाग ने किया शहर के तेल विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

छिन्दवाडा(ए.)। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार तथा अपर कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं नापतौल विभाग द्वारा मंगलवार को छिंदवाड़ा शहर स्थित विभिन्न तेल विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गिरनार ट्रेडर्स से विभिन्न ब्रांड के खाद्य तेल के 5 नमूने जांच हेतु लिए गए। वहीं शिवशक्ति ट्रेडर्स से 1 नमूना संग्रहित किया गया। निरीक्षण के दौरान शिवशक्ति ट्रेडर्स परिसर में साफ-सफाई का अभाव पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त उमरेठ-रिधौरा स्थित ओजस मिल्क सेंटर से भी जांच के लिए 2 नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि सभी नमूनों को परीक्षण हेतु नियमानुसार प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

यातायात पुलिस बनी मानवता की मिसाल, चालान छोड़ बीमार बुजुर्ग महिला की बचाई जान, इलाज के लिए भेजा अस्पताल

डिंडौरी (ए.)। यातायात पुलिस का नाम सुनते ही लोगों के मन में चालान और वाहन चेकिंग की तस्वीर उभरती है। लेकिन, मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में यातायात पुलिस ने ऐसा काम किया है, जिसने यह साबित कर दिया कि कानून के साथ-साथ मानवता भी पुलिस की सबसे बड़ी पहचान है। वाहन चेकिंग के दौरान एक बीमार वृद्ध महिला की हालत देखकर पुलिस ने कार्रवाई से पहले इंसानियत को प्राथमिकता दी और उसे तत्काल इलाज के लिए रवाना कर दिया। मामला डिंडौरी जिला मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दूर जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित जोगी टिकरिया घाट का है। डिंडौरी के टिकरिया घाट मे यातायात पुलिस नियमित वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान सारंगपुर परडिया निवासी पंचम मरावी अपनी करीब 60 वर्षीय बीमार मां बिसरी बाई को मोटरसाइकिल से इलाज के लिए डिंडौरी ला रहा था। पंचम मरावी के पास मोटरसाइकिल के आवश्यक दस्तावेज नहीं थे और उसने हेलमेट भी नहीं पहना था।

सफलता की कहानी- जहां जलती थी नरवाई, वहां अब मुस्कुराती है खुशहाली

कस्टम हायरिंग केन्द्र से अमन ने बदली अपनी और गाँव की तकदीर

ग्वालियर(ए.)। खेत की मिट्टी से जुड़ाव, हौसलों में नई सोच व मेहनत का जज्बा हो और सरकार की योजना का सहारा मिल जाए तो साधारण किसान भी अपनी और अपने गांव की तस्वीर बदल सकता है। ग्वालियर जिले के विकासखण्ड भितरवार के ग्राम चीनौर, निवासी युवा कृषक अमन गौर पुत्र बीरबल सिंह ने यह कर दिखाया है। उन्होंने कृषि अभियांत्रिकी विभाग की योजना की मदद से कस्टम हायर केन्द्र खोलकर बड़ा मुनाफा कमाया है। साथ ही उनसे प्रेरणा लेकर अन्य ग्रामवासी आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर उन्नत खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। अमन गौर के कस्टम हायर सेंटर से रिवर्सिबल प्लाऊ, रोटावेटर, कल्टीवेटर, सीड ड्रिल और स्ट्रॉ रीपर जैसे आधुनिक यंत्र किराये पर मिलते हैं, जिनका उपयोग करके गांव के दर्जनों किसान समय पर बुआई और कटाई कर पा रहे हैं।

व्यापार समाचार

1 अगस्त से आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर, एलपीजी सिलेंडर और तत्काल रेल टिकट समेत बदल जाएंगे ये 5 बड़े नियम

नई दिल्ली (ए.)। जुलाई का महीना अपने अंतिम चरण में है और 1 अगस्त 2026 से आम जनता के दैनिक जीवन और रसोई के बजट से जुड़े कई बड़े नियमों में महत्वपूर्ण फेरबदल होने जा रहा है। नए महीने की शुरुआत होते ही जहां एलपीजी सिलेंडर की नई दरें लागू होंगी, वहीं रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली और बैंकिंग सेवाओं के शुल्कों में भी बदलाव होने जा रहे हैं। इसके अलावा, जेट ईंधन की दरें और जीएसटी के नए नियम भी सीधे तौर पर आम नागरिकों, यात्रियों और कारोबारियों की जेब को प्रभावित करेंगे।

रसोई गैस और हवाई सफर के खर्चों में संशोधन की उम्मीद

ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों और हवाई ईंधन यानी एटीएफ की नई दरों का ऐलान करती हैं। बीते जुलाई महीने में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपये की राहत दी गई थी, जिसके बाद दिल्ली में इसका दाम घटकर 2,930 रुपये रह गया था, जबकि 14 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम स्थिर रखे गए थे। 1 अगस्त को होने वाला संभावित बदलाव तय करेगा कि आम परिवारों का बजट बिगड़ेगा या राहत मिलेगी। इसके साथ ही एटीएफ की नई दरों से आने वाले दिनों में हवाई सफर का किराया भी प्रभावित हो सकता है।

रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा सुधार

अगस्त की शुरुआत से ही भारतीय रेलवे अपने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में अहम बदलाव करने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रेलवे स्टेशनों के रिजर्वेशन काउंटरों पर टोकन जारी करने का समय अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होने के समय के साथ ही मैच किया जाएगा। अब तक यात्रियों को पहले टोकन लेने और फिर टिकट बुक कराने के लिए दो अलग-अलग समय पर लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। इस व्यवस्था से काउंटरों पर होने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और यात्रियों के लिए तत्काल टिकट हासिल करना पहले से अधिक सुलभ हो जाएगा।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक में बदलेंगे सर्विसेज के चार्जेस

बैंकिंग सेवाओं के मोर्चे पर 1 अगस्त से उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने ग्राहकों पर लागू होने वाले कई सर्विस शुल्कों में संशोधन करने जा रहा है। बैंक की नई नीति के तहत एसएमएस अलर्ट के लिए एक मासिक सीमा तय की जाएगी और उसके बाद प्रति एसएमएस 30 पैसे का शुल्क वसूला जाएगा। इसके अतिरिक्त बैंक ने अपने खाताधारकों को सलाह दी है कि वे डेबिट कार्ड मेंटेनेंस फीस और अन्य बैंकिंग शुल्कों में होने वाले संभावित बदलावों के संदर्भ में अपनी शाखा या बैंक से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर लें।

कारोबारियों के लिए जीएसटी ई-वे बिल का नया सिस्टम लागू

वित्तीय लेन-देन को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए 1 अगस्त से वस्तु एवं सेवा कर के नियमों में भी बड़ा फेरबदल होने जा रहा है। नए ई-इनवॉइस और ई-वे बिल सिस्टम के तहत 'बिल-टू-शिप-टू' लेन-देन में 'शिप-टू' जीएसटीआईएन दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है।

टाटा की छप्परफाड़ कमाई! सिर्फ 1 शेयर पर 1.10 लाख रुपए के डिविडेंड का ऐलान, मुनाफे ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

मुंबई (ए.)। अगर आपसे कहा जाए कि किसी कंपनी का सिर्फ एक शेयर रखने पर आपको एक लाख रुपये से ज्यादा की कमाई हो सकती है, तो शायद आपको यकीन न हो। लेकिन देश के सबसे भरोसेमंद और दिग्गज औद्योगिक घराने टाटा समूह ने इसे सच कर दिखाया है। टाटा संस ने अपने शेयरधारकों पर धनवर्षा करते हुए प्रति शेयर 1 लाख 10 हजार रुपये से अधिक के ऐतिहासिक डिविडेंड (लाभांश) की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार वित्तीय नतीजों का ऐलान करते हुए कंपनी ने बताया कि उसके नेट प्रॉफिट में भारी उछाल आया है, जिसने बाजार के सारे अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है।

टाटा संस के मुनाफे में 21 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त छलांग

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन द्वारा जारी किए गए वित्त वर्ष 2026 के नतीजों के मुताबिक, कंपनी का राजस्व 9.1 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी के साथ 42,367 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 38,835 करोड़ रुपये रहा था। टैक्स भुगतान के बाद कंपनी के शुद्ध मुनाफे (नेट प्रॉफिट) में 21.8 प्रतिशत का जोरदार उछाल दर्ज किया गया है, और यह बढ़कर 31,961 करोड़ रुपये हो गया है। इसी बंपर कमाई को देखते हुए कंपनी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 1,10,717 रुपये के बंपर डिविडेंड की सिफारिश की है। हालांकि, टाटा संस

शेयर बाजार में लिस्टेड नहीं है और यह लाभांश शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी पर निर्भर करेगा।

टाटा ग्रुप की कुल कमाई 16 लाख करोड़ के पार, 5 गुना बढ़ा लाभ

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चेयरमैन चंद्रशेखरन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी तनाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व निवेश के बावजूद टाटा समूह का कुल प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। पूरे टाटा ग्रुप का कुल राजस्व 7.8 प्रतिशत बढ़कर 16,24,030 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े पर पहुंच गया है, जबकि समूह का नेट प्रॉफिट 51.9 प्रतिशत की गजब की छलांग के साथ 1,70,525 करोड़ रुपये हो गया है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में अब टाटा समूह का कुल राजस्व 2.1 गुना और लाभ 5.4 गुना तक बढ़ चुका है, जो समूह की विभिन्न कंपनियों में किए गए बड़े सुधारों का ही नतीजा है।

एयर इंडिया बनी चिंता का सबब, घाटा बढ़कर 22 हजार करोड़ के पार

एक तरफ जहां पूरा टाटा समूह मुनाफे के नए रिकॉर्ड बना रहा है, वहीं दूसरी तरफ एयर इंडिया अभी भी कंपनी के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में एयर इंडिया का घाटा बढ़कर 22,238 करोड़ रुपये हो गया है, जो इससे पिछले साल 10,859 करोड़ रुपये था। चेयरमैन ने इस भारी नुकसान की मुख्य वजहें बताते हुए कहा कि तेल की बढ़ती कीमतें, कई प्रमुख रूट्स का बंद होना, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ॄ171 विमान हादसे का एयरलाइन के कारोबार पर बेहद नकारात्मक असर पड़ा है। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि इतिहास की किसी भी बड़ी एयरलाइन को दोबारा खड़ा होने में दशकों का समय लगता है

भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, आईटी शेयरों में खरीदारी

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में सपाट खुला। सुबह 9:28 पर सेंसेक्स 32 अंक की मामूली तेजी के साथ 76,861 और निफ्टी 6 अंक की बढ़त के साथ 24,002 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके बाद निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा हरे निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सीमित दायरे में कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2 अंक की मामूली तेजी के साथ 62,307 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक की कमजोरी के साथ 19,062 पर था। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, एचयूएल, एशियन पेंट्स, इटरनल, सन फार्मा, इंडिगो, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे। बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा स्टील, टाइटन, भारती एयरटेल, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और एमएंडएम लूजर्स थे। वैश्विक बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का दिया आदेश : RBI

मुंबई (ए.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग-अप) करने का आदेश दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को बताया कि बैंक का लाइसेंस लगातार नियामकीय उल्लंघनों के कारण पहले ही रद्द किया जा चुका था और अब यह आदेश बैंक को बंद करने की प्रक्रिया का अंतिम चरण है।आरबीआई ने एक बयान में कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 8 जुलाई और 22 जुलाई 2026 के आदेशों के जरिए बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम. नायर को पेटीएम पेमेंट्स बैंक का आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया है। आरबीआई ने बताया कि उन्हें बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट और कंपनी अधिनियम के तहत निर्धारित सभी अधिकार दिए गए हैं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, आधिकारिक परिसमापक 8 जुलाई 2026 से ही बैंक के निदेशक मंडल की सभी शक्तियों का प्रयोग कर रहे हैं और अब बैंक के संचालन एवं परिसमापन से जुड़े सभी निर्णय उनकी देखरेख में लिए जाएंगे।

आरबीआई ने अपने बयान में कहा कि अदालत के आदेश के अनुसार, आधिकारिक परिसमापक बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत उपलब्ध सभी अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। इसके साथ ही वह 8 जुलाई 2026 से बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियों का भी प्रयोग करेंगे। यह आदेश आरबीआई द्वारा अप्रैल 2026 में पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द किए जाने के बाद आया है। उस समय केंद्रीय बैंक ने कहा था कि बैंक लगातार नियामकीय मानकों का पालन करने में विफल रहा और उसका संचालन जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल पाया गया। आरबीआई ने तब यह भी घोषणा की थी कि वह बैंक को बंद करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करेगा। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक के परिसमापन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ेगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रोजगार निजी अनुबंध पर टिका

कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या 'ब्लैकलिस्ट' कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है।भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों के हमलों का शिकार बनने के बाद भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए 'सीफेयरर-फर्स्ट आपातकालीन सुरक्षा योजना' लागू की है। शिपिंग कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को अगले निर्देश तक होरमुज मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों को तैनात ना करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर क्या इससे भारतीय नाविक सचमुच सुरक्षित हो जाएंगे? ये सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि कागजी सरकारी आदेश और समुद्र की कड़वी हकीकत में कोई मेल नज़र नहीं आता। इसलिए अंदेशा गहरा है कि इस सरकारी पहल को लागू करना मुश्किल साबित होगा। नाविक शिपिंग कंपनियों (या उनकी नौकरी भर्ती एजेंसियों) के कर्मचारी होते हैं, भारत सरकार के नहीं। उनका रोजगार निजी अनुबंध पर टिका होता है।नाविक किसी विदेशी या भारतीय शिपिंग कंपनी या किसी थर्ड-पार्टी मैनिंग एजेंसी के साथ छह से नौ महीने का कांट्रैक्ट साइन करते हैं। इसके तहत कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या 'ब्लैकलिस्ट' कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। नौवहन बाजार में भी काम पाने भारी होड़ है। यही कारण है कि नाविक अक्सर जोखिम लेकर भी कहीं जाने को तैयार हो जाते हैं। दुनिया में तमाम नाविकों के बीच भारतीयों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत है। जबकि अधिकांश जहाज पनामा, लाइबेरिया, या मार्शल आइलैंड्स जैसे देशों के झंडे तले रजिस्टर्ड हैं, भले उनके मालिक किसी देश के हों।ऐसे में भारतीय नाविकों पर उस देश का कानून लागू होता है, जिसके नाम पर जहाज पंजीकृत है। भारत सीधे किसी विदेशी जहाज के रूट को लेकर दखल नहीं दे सकता। तो फिर सरकार इस फैसले को लागू कैसे करवाएगी? अधिक से अधिक वह रिक्रूटमेंट और प्लेसमेंट एजेंसियों एजेंसियों पर दबाव डाल सकती है कि वे नाविकों को जबरन खतरे वाले क्षेत्रों में ना भेजें। नाविकों को 'राइट टू रिफ्यूज' के तहत युद्ध क्षेत्र में जाने से इनकार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। लेकिन वे ऐसा करियर को दांव पर लगाते हुए ही कर पाएंगे। यही इस मामले का पेच है।

पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित

हरिशंकर व्यास

हां, हिंदू राष्ट्र को सोनम वांगचुक या जीडी अग्रवाल जैसे 'कॉकरोचों' से नहीं, बल्कि अडानी, अंबानी, चढ़ावा चोरों और ट्रंप जैसे लोगों से मतलब है। इन्हीं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिंता है, क्योंकि पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित है। आखिर कलियुग में भगवान तप से नहीं, मार्केटिंग से पैदा होते हैं और आस्था के नाम पर भीड़ को ठगना परमोधर्म है।

पिछले बारह वर्षों में क्या हुआ है? चाहे 'श्वेत (काली की जगह) अर्थव्यवस्था' का समय हो, 'गंगा शववाहिनी' का दौर, 'अमृतकाल' का आख्यान या 'विकसित भारत' के नारे- हर चरण में सबसे बड़ा निवेश मार्केटिंग पर हुआ। मार्केटिंग ने ही वह वातावरण, वह लेन-देन बनाया, जिसमें अडानी-अंबानी नए जगतसेठ बनकर उभरे। दूसरी और डोनाल्ड ट्रंप से लेकर शी जिनफिंग, पुतिन सभी के लिए भारत विशाल बाजार बना। पैसे की भूख, पैसे के जलवे, पैसे की माया का सीधा असर भक्तों पर भी पड़ा। इनके मन में यह विश्वास बैठाया गया कि भारत अभूतपूर्व गति से दौड़ रहा है, दुनिया भारत की ताकत स्वीकार कर रही है, मुक्त व्यापार समझौते हो रहे हैं और विश्व भारत के सामने नतमस्तक है।

सच्चाई है कि जब अडानी दुनिया के बड़े खरबपतियों में शामिल हुए तो भक्तों ने इसे भी हिंदुओं की आन-बान-शान माना। बाद में जब इस चमक की परतें उखड़ीं, तब भी शेयर बाजार के खेल ने करोड़ों मध्यवर्गीय युवाओं को अपनी किस्मत आजमाने के सपने में बांधे रखा। इससे किसका कितना नुकसान हुआ, यह अलग प्रश्न है। लेकिन लाभार्थियों के खातों में सरकारी धन पहुंचाने से लेकर शेयर बाजार में करोड़ों युवाओं की सट्टेबाजी तक, एक ऐसा सम्मोहन रचा गया जिसमें भक्ति पुख्ता होती गई। मंदिरों में चढ़ावा बढ़ता है वही उसी चढ़ावे से हिंदू राष्ट्र की दुकानों में भी चौतरफा रौनक है।

सचमुच कलियुगी हिंदू राष्ट्र की स्थिरता की कई वजहों में एक कारण मंदिर, चढ़ावा, कृपा, पैसा, क्रोनीवाद और मार्केटिंग का वह मायाजाल है, जिसकी गहराई तभी समझ में आएगी जब लुटियंस दिल्ली के नए 'सेवा तीर्थ' की परतों को कोई उधेड़े। लुटियन का नया इकोसिस्टम केवल जवाबदेही-विहीन नहीं है, बल्कि संस्थागत लूट की वह ऐतिहासिक व्यवस्था है कि यदि दिल्ली को लूटने वाले नादिरशाह या मुगल बादशाह भी उसे देखें तो शर्मिंदा हो जाएं। उन्होंने दिल्ली को लूट का मात्र चरागाह माना था, जबकि अब वह लूट का तीर्थ है। लेकिन मजाल जो कोई गंभीर सवाल उठे या दास्तान बाहर आए।

महान गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने का अवसर

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वराय।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

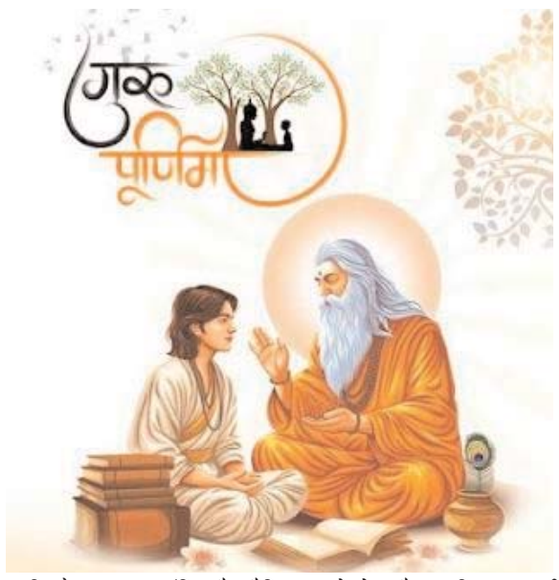

संजीव ठाकुर,

भारतीय संस्कृति में गुरु को सृष्टि का निर्माता, पालनकर्ता और अज्ञान का नाश करने वाला माना गया है। गुरु केवल अक्षरज्ञान देने वाला शिक्षक नहीं, बल्कि वह दिव्य शक्ति है जो मनुष्य के व्यक्तित्व को गढ़ती है, उसके भीतर सोई हुई चेतना को जगाती है और जीवन को उद्देश्यपूर्ण दिशा प्रदान करती है। गुरु पूर्णिमा का पर्व इसी महान गुरु-परंपरा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। परंतु यह दिन केवल गुरु-वंदना तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह वह पावन क्षण है, जब प्रत्येक शिष्य को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह अपने गुरु के उपदेशों, संस्कारों और आदर्शों को अपने जीवन और समाज में श्रेष्ठ कर्मों के रूप में मूर्त रूप देगा।गुरु पूर्णिमा का संबंध महर्षि वेदव्यास से है, जिन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा का महान शिल्पकार माना जाता है। उन्होंने वेदों का विभाजन किया, महाभारत की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया और भारतीय चिंतन को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखने का महान कार्य किया। इसलिए उन्हें जगतगुरु की संज्ञा दी जाती है। उनकी स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व हमें याद दिलाता है कि ज्ञान तभी सार्थक होता है जब वह समाज के कल्याण का माध्यम बने।भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान माता-पिता के समान ही नहीं, अनेक संदर्भों में उनसे भी ऊँचा माना गया है, क्योंकि माता-पिता जन्म देते हैं, जबकि गुरु जीवन का सही अर्थ समझाते हैं। संत कबीरदास ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय।

दोहा केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि यह बताता है कि गुरु ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाता है। यदि जीवन में गुरु का मार्गदर्शन न हो तो ज्ञान अधूरा रह जाता है और प्रतिभा दिशा खो देती है।

आज का समय केवल सूचना का युग नहीं, बल्कि विवेक का भी युग है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान के असंख्य स्रोत उपलब्ध करा दिए हैं, परंतु सही और गलत का निर्णय करने की क्षमता आज भी गुरु ही विकसित करता है। सूचना मनुष्य को विद्वान बना सकती है, किंतु गुरु उसे विवेकवान बनाता है। इसलिए गुरु का महत्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। स्वामी विवेकानंद ने कहा था—

शिक्षा वह है जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन का बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। शिक्षा केवल पाठ्य-पुस्तकों से नहीं आती, बल्कि गुरु के व्यक्तित्व, उनके आचरण और उनके जीवन-दर्शन से प्राप्त होती है। गुरु अपने शिष्य के भीतर छिपी हुई संभावनाओं को पहचानता है और उन्हें समाजोपयोगी दिशा देता है। महात्मा गांधी का विश्वास था कि चरित्रहीन शिक्षा समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। यदि शिक्षा केवल रोजगार का साधन बन जाए और जीवन-मूल्यों से हट जाए, तो समाज प्रगति के बावजूद शांति और नैतिकता खो देता है। इसलिए गुरु की भूमिका केवल रोजगार दिलाने तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण तक विस्तृत है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था—सच्चा शिक्षक वही है जो हमें स्वयं सोचने की प्रेरणा देता है। गुरु का वास्तविक दायित्व है। वह शिष्य को उत्तर नहीं देता, बल्कि सही प्रश्न पूछना सिखाता है। वह अनुकरण नहीं, बल्कि आत्मबोध का मार्ग दिखाता है।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कहना था श्रेष्ठ शिक्षक ज्ञान, जुनून और करुणा तीनों का संगम होता है। डॉ. कलाम स्वयं अपने शिक्षकों का उल्लेख अत्यंत सम्मान के साथ करते थे और स्वीकार करते थे कि उनके व्यक्तित्व की नींव उनके गुरुओं ने ही रखी। भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि प्रत्येक महान व्यक्तित्व के पीछे किसी न किसी गुरु का अमूल्य योगदान रहा है। भगवान श्रीराम के जीवन को महर्षि वशिष्ठ और विश्वामित्र ने दिशा दी। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण कर गुरु-दक्षिणा का आदर्श प्रस्तुत किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व निर्माण में समर्थ गुरु रामदास और माता जीजाबाई के संस्कार निर्णायक रहे। स्वामी विवेकानंद को विश्व मंच तक पहुँचाने वाले उनके गुरु श्रीरामकृष्ण परमहंस थे। चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को केवल सम्राट नहीं बनाया, बल्कि भारत के इतिहास की दिशा बदल दी। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि गुरु केवल व्यक्ति नहीं बनाता, वह युग का निर्माण करता है। आज समाज अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। नैतिक मूल्यों का क्षरण, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सामाजिक तनाव, पर्यावरण संकट, पारिवारिक विघटन और डिजिटल विचलन जैसी परिस्थितियों में गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे समय में गुरु का सम्मान केवल मंचों पर माल्यार्पण से नहीं होगा। सच्ची गुरु-दक्षिणा तब होगी जब हम उनके बताए मार्ग पर चलकर ईमानदारी, अनुशासन, सेवा, राष्ट्रभक्ति और मानवीय संवेदनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएँ।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में गुरु बन सकता है। माता-पिता अपने बच्चों के प्रथम गुरु हैं। शिक्षक विद्यालय में गुरु हैं। समाज में अनुभवी व्यक्ति अपने अनुभव से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए गुरु-परंपरा केवल आश्रमों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जीवित है।आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को पुनः संस्कारों से जोड़ा जाए। विद्यालयों में ज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा, सेवा-भाव, पर्यावरण संरक्षण, संविधान के प्रति सम्मान, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनिर्माण की भावना विकसित की जाए। यदि गुरु का ज्ञान समाजहित में प्रयुक्त नहीं होता, तो वह अधूरा रह जाता है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है गुरु के विचारों को जीवन में उतारना। यदि गुरु ने सत्य का मार्ग दिखाया है तो सत्य बोलना हमारी गुरु-दक्षिणा है। यदि उन्होंने सेवा सिखाई है तो समाज की पीड़ा दूर करना हमारी गुरु-दक्षिणा है। यदि उन्होंने राष्ट्रप्रेम सिखाया है तो अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना हमारी गुरु-दक्षिणा है।आज भारत विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हमारे युवाओं का चरित्र मजबूत होगा। यह कार्य केवल तकनीक से नहीं, बल्कि गुरु के संस्कारों से ही संभव है। इसलिए गुरु पूर्णिमा का यह पर्व प्रत्येक विद्यार्थी, प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक परिवार के लिए आत्ममंथन का अवसर है।गुरु पूर्णिमा पर हम केवल अपने गुरुओं का सम्मान ही न करें, बल्कि यह संकल्प भी लें कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान, अनुशासन, परिश्रम, सत्य, करुणा और सेवा के आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे।

छात्रों और युवाओं को भरोसा बना

एस. सुनील

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है।

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन की जिन तस्वीरों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि देश का युवा खास कर 'जेन जी' केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हो गया है वह देश की प्रतिनिधि तस्वीर नहीं है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि उन तस्वीरों से देश की वास्तविकता नहीं जाहिर हो रही है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पेपर लीक की घटना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने स्वंय कहा, 'जघन्य पाप' है। लेकिन आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और इसमें शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पर भी किसी को संदेह नहीं है। देश का युवा वर्ग और छात्रों का भी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा सीधा जुड़ाव या संवाद है कि वे इस मामले में प्रधानमंत्री की गंभीरता को समझ रहे हैं। तभी गुरुवार, 23 जुलाई की रात को प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सीधे युवाओं को 'फ्रेंड्स' कह कर संबोधित किया। अपने मोबाइल से वीडियो बना कर उन्होंने पोस्ट किया और अगले दिन यानी शुक्रवार की रात को बताया कि उस पर कितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। गुरुवार रात के प्रधानमंत्री के इंस्टाग्राम वीडियो ने रिकॉर्ड बनाया। करीब 35 करोड़ लोगों ने उसे देखा और पेपर लीक से लेकर परीक्षा में सुधार के अनेक सकारात्मक सुझाव दिए, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री ने अपने अगले वीडियो में किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है। इसका कारण यह है कि देश के युवाओं को अपने प्रधानमंत्री और उनके संकल्पों पर भरोसा है। उनको विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। इसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी उनको दूर किया जाएगा।

बहरहाल, पेपर लीक को लेकर भी प्रधानमंत्री की पहल पर एक साथ कई काम शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को कैबिनेट की विशेष बैठक संसद भवन के अंदर हुई, जिसमें द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब सरकार पेपर लीक और परीक्षा में अक्सर होने वाली दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए ज्यादा सख्त कानून बनाने जा रही है। इसे मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के शुरू में ही पेश किया जा सकता है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इस पर जल्दी से जल्दी चर्चा करा कर कानून बनाया जाए। इसमें पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि पेपर लीक की घटना की जांच दो महीने में होगी और तीन महीने के अंदर अदालत में ट्रायल पूरा करके फैसला सुनाया जाएगा। इस संशोधन बिल को मंजूरी देने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने पेपर लीक से जुड़ी घटनाओं की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दे दिया था। इस बिल में इस पूरी प्रक्रिया को वैधानिक स्वरूप देने का प्रावधान भी किया गया है।

इस मामले में सरकार की गंभीरता इस बात से दिखाई देती है कि मेडिकल में दाखिले के लिए नीट यूजी परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के 47 कर्मचारियों को बरखास्त कर दिया गया है। सरकार एनटीए का भी पुनर्गठन करने वाली है ताकि परीक्षा की प्रक्रिया को किसी भी तरह की लीक और गड़बड़ी से सुरक्षित किया जा सके। चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वंय इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं इसलिए युवाओं को और उनके अभिभावकों को भी भरोसा बना है। उनको लग रहा है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। ध्यान रहे पहले ही इस बात की घोषणा हो चुकी है कि अगले साल नीट यूजी की परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। इससे भी छात्रों और युवाओं को भरोसा बना है।

दूसरी ओर अगर विपक्षी पार्टियों का रवैया देखें तो वह बहुत निराशाजनक दिखेगा। उनकी तरफ से किसी तरह का रचनात्मक सुझाव सरकार के सामने नहीं प्रस्तुत किया जा रहा है। उनकी ओर से सिर्फ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है। जिस समय जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में थे। वहां से लौटने के बाद उन्होंने इंतजार किया कि संसद का सत्र शुरू हो और मीडिया का अटेंशन बने तो वे आंदोलन शुरू करें। छात्रों व युवाओं के संसद मार्च से जो माहौल बना उसका लाभ लेने के लिए वे अपनी पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने पहुंच गए। असल में उनको यह असुरक्षा बोध घेरे हुए था कि कहीं जंतर मंतर के प्रदर्शन को ज्यादा लोगों का समर्थन न मिल जाए या उसमें शामिल लोग विपक्ष की जगह न ले लें। इसलिए उन्होंने आनन फानन में प्रदर्शन किया और संसद की कार्यवाही पूरी तरह से ठप्प की।

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आज आपको किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़े बुजुर्गों से प्रेरणा मिलेगी कुछ बड़ा करने का प्लान बनाएंगे। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। छात्रों की शैक्षिक मनोकामनाए पूर्ण होंगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अपने पसंदीदा कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा जो की आने वाले समय में आपके लिए लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता आज मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। कारोबारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। आज आप अपने काम की गुणवत्ता में सुधार लाकर और ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज की गई मेहनत निकट भविष्य में बहुत लाभदायक साबित होगी इसलिए व्यर्थ की गतिविधियों से ध्यान हटाकर अपने कामों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज घर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, लेकिन इसका परिणाम सुखद रहेगा। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

तुला राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। कहीं से मन मुताबिक धनलाभ होने से मन को राहत मिलेगी।घर पर ही परिवारवालों के साथ मिलकर धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें ।

वृश्चिक राशि: आज आपको शुभ समाचार मिलने वाला है। आज पिता जी आपको पैतृक व्यवसाय की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी देंगे और आपको नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विद्यार्थी पूरी मेहनत से अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखेंगे और बेहतर परिणाम हासिल करेंगे।

धनु राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज के दिन आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होने वाली हैं। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज दिनभर भागदौड़ की स्थिति रहेगी, लेकिन इसके परिणाम काफी लाभदायक होंगे जिससे आपका उत्साह बना रहेगा ।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कुछ प्रतिष्ठित लोगों से आपकी मुलाकात होगी जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी सटीक राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। लेखन कार्यों में आज आपका रुझान बढ़ेगा आपकी लेखनी में सुधार आएगा।

मीन राशि:आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। आज आपको किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घरेलू कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रो के लिए दिन अच्छा है।

स्तूप ने साबित कर दिया – असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, संस्कृति में है

[यूनेस्को में सारनाथ: भारत की सभ्यता का वैश्विक हस्ताक्षर]
[स्तूप से सॉफ्ट पावर तक: सारनाथ यूनेस्को में भारत की नई विश्व-भाषा]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

इतिहास की सबसे बड़ी शक्ति यह नहीं कि वह अतीत में दर्ज है, बल्कि यह कि वह हर युग में वर्तमान को दिशा देता है। 25 जुलाई 2026 को यूनेस्को द्वारा सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना केवल एक पुरातात्विक स्थल का सम्मान नहीं, बल्कि उस भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा का विस्तार है जिसने कभी अपने विचारों से दुनिया को मार्ग दिखाया था। युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, जलवायु संकट और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच सारनाथ का यह सम्मान एक वैकल्पिक संदेश है। यह सिद्ध करता है कि किसी सभ्यता की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रों में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में होती है जो पीढ़ियों तक मानवता का पथ प्रकाशित करते हैं। भारत ने इस उपलब्धि के साथ अपने अतीत को इतिहास की धरोहर भर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे आधुनिक विश्व-राजनीति की प्रभावशाली भाषा बना दिया। इसके साथ भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 45 हो गई है, जो उसकी सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का सशक्त प्रमाण है।

सारनाथ वह पावन भूमि है जहाँ बुद्ध ने प्रथम उपदेश देकर करुणा, मध्यम मार्ग और अहिंसा का ऐसा संदेश दिया, जिसने पूरे एशिया की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी। आज इसका महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की सशक्त सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुका है। जब अनेक देश सैन्य गठबंधनों, आर्थिक प्रतिबंधों और रणनीतिक दबावों से अपना प्रभाव बढ़ाने में लगे हैं, तब भारत संवाद, सह-अस्तित्व और सांस्कृतिक विरासत को अपनी कूटनीति का आधार बना रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता विश्व मंच पर भारत की उस विशिष्ट पहचान को और मजबूत करती है, जो केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि शांति, ज्ञान और सभ्यताओं को जोड़ने की अपनी ऐतिहासिक क्षमता से नेतृत्व करने का विश्वास रखती है। यही आधुनिक भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता है।

झसारनाथ की असली शक्ति उसके अतीत में नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने की उसकी क्षमता में है। मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतुलित जीवनशैली से जूझती दुनिया में करोड़ों युवा माइंडफुलनेस और मेडिटेशन के माध्यम से शांति खोज रहे हैं। ऐसे समय में सारनाथ केवल स्मारकों का परिसर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का वैश्विक केंद्र बन सकता है। यहाँ विश्वस्तरीय माइंडफुलनेस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं बौद्ध अध्ययन संस्थान, वर्चुअल रियलिटी आधारित ध्यान अनुभव और डिजिटल सांस्कृतिक संग्रहालय विकसित किए जा सकते हैं।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह संगम भारत को केवल पर्यटन का नहीं, बल्कि वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संतुलन का केंद्र बना सकता है। तब सारनाथ इतिहास की धरोहर भर नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन जाएगा।इस उपलब्धि का समय भी बेहद अर्थपूर्ण है। जब पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनाव युद्ध की आशंकाएँ बढ़ा रहे हैं, मिसाइलें संवाद की जगह ले रही हैं और मानसून की बाढ़ मानव सभ्यता की नाजुकता उजागर कर रही है, तब सारनाथ दुनिया को एक अलग रास्ता दिखाता है। वह याद दिलाता है कि विनाश की दौड़ कभी स्थायी शांति नहीं दे सकती। बुद्ध का मध्यम मार्ग आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना ढाई हजार वर्ष पहले था। भारत इस धरोहर के माध्यम से केवल संदेश नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक कूटनीतिक दृष्टि प्रस्तुत कर रहा है—जहाँ संघर्ष की जगह संतुलन, टकराव की जगह संवाद और प्रभुत्व की जगह साझेदारी को महत्व मिलता है। यही सभ्यतागत कूटनीति भारत को पारंपरिक महाशक्तियों से अलग और विशिष्ट पहचान देती है। सारनाथ का महत्व केवल वैचारिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी दूरगामी है। विश्व धरोहर का दर्जा आध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था और वेलनेस आधारित विकास के नए द्वार खोलेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, पर्यटन मार्गदर्शकों, होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं और युवा उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यह केवल रोजगार नहीं बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय परंपराओं और शिल्प को भी नया जीवन देगा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि विकास प्रकृति और संस्कृति के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगा। सारनाथ बताता है कि सतत विकास केवल आधारभूत ढाँचे का विस्तार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ आर्थिक प्रगति का संतुलित मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है।सारनाथ का संदेश किसी एक राष्ट्र या धर्म तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिक चुनौतियाँ, सामाजिक ध्रुवीकरण और वैश्विक अविश्वास के दौर में बुद्ध का अनित्य, संतुलन और करुणा का दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यूनेस्को की मान्यता इस सत्य को वैश्विक स्वीकृति देती है कि प्राचीन सभ्यताएँ समय के साथ पुरानी नहीं पड़तीं, बल्कि नए युग को नए समाधान देती हैं। सारनाथ अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत है। इसलिए उसका संरक्षण केवल स्मारकों की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक मूल्यों के संरक्षण का भी दायित्व है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 29 जुलाई 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी, कहा- गलती से हुई चूक

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है। सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई। सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा।

यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि

कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया। गौरतलब है कि यह वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेल्फी फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक विवाद और इस मुद्दे पर होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की आगामी कार्रवाई को लेकर खासतौर पर देश के जेन-जी युवाओं को संबोधित किया था। बता दें कि यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया, जबकि फेसबुक पर कुछ समय के लिए इसकी पहुंच सीमित हो गई थी। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार की नजर मेटा की कार्यप्रणाली पर है, और माना जा रहा है कि कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर 'ई-उपहार' के तीसरे संस्करण की शुरुआत की, जिसमें सार्वजनिक नीलामी के लिए राष्ट्रपति को मिले 300 खास उपहार शामिल हैं।

फोन के OS की वजह से एयरपोर्ट पर फंसा शख्स और लग गई हथकड़ी

अटलांटा (आरएनएस)। अगर आप भी अपने स्मार्टफोन में डेटा की प्राइवेसी और अत्यधिक सुरक्षा के लिए सामान्य एंड्रॉयड की जगह कोई कस्टम ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके होश उड़ा देगी। अमेरिका के अटलांटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां फोन की जांच के दौरान पासकोड डालते ही मोबाइल का सारा डेटा अपने आप डिलीट हो गया। इस घटना के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने यात्री को 'सबूत मिटाने' के गंभीर आरोप में तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज गिरफ्तारी के बाद से दुनिया भर में 'ग्रेफीन ओएस' (GrapheneOS) नाम के एंड्रॉयड आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम पर सवाल उठने लगे हैं और डिजिटल प्राइवेसी को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमुअल ट्यूनिक नाम का एक व्यक्ति 24 जनवरी को डोमिनिकन रिपब्लिक से यात्रा करके हार्ट्सफील्ड जैक्सन अटलांटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां जांच के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोक लिया और उससे फोन अनलॉक करने को कहा। अधिकारियों ने सख्त चेतावनी दी कि अगर उसने फोन का लॉक नहीं खोला, तो डिवाइस को जब्त कर लिया जाएगा।

दिल्ली में सराय काले खां लूप पर जाम से मुक्ति दिलाने को एनएचएआई ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, (ए)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली-एनसीआर में यातायात को सुगम बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एनएच-148एनए के डीएनडी-सोहना खंड पर स्थित सराय काले खां लूप को भीड़भाड़ मुक्त करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार सराय काले खां दिल्ली के सबसे व्यस्त परिवहन केंद्रों में से एक है। यह लूप आश्रम, नोएडा और सराय काले खां से आने वाले ट्रैफिक के लिए एक प्रमुख मिलन बिंदु है। डीएनडी-सोहना राष्ट्रीय राजमार्ग कॉरिडोर के चालू होने के बाद यहां वाहनों का दबाव और बढ़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए एनएचएआई प्राथमिकता के आधार पर इसका दीर्घकालिक इंजीनियरिंग समाधान तलाशेगा। डीपीआर में जंक्शन की क्षमता बढ़ाने, सुरक्षा उपाय पुख्ता करने और यात्रा के समय में कटौती करने के लिए अवसंरचनात्मक बदलावों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डीएनडी-सोहना कॉरिडोर शुरू होने पर सराय काले खां इंटरचेंज पर यातायात बिना किसी बाधा के निकल सके। इसके अलावा, बढ़ते यातायात प्रबंधन और इंजीनियरिंग समाधानों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा।एनएचएआई के मुताबिक इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना, सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यात्रा अनुभव को सुखद बनाना और भारी ट्रैफिक का स्थायी समाधान प्रदान करना है।

जनसांख्यिकीय लाभांश कहीं आपदा न बन जाए : अखिलेश यादव

नई दिल्ली,(ए)। समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ी समस्या पर कानून को कठोर बनाए जाने से जुड़े विधेयक पर हुई चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार को देश के युवाओं की बात सुननी चाहिए। सरकार स्वयं नौजवानों को जनसांख्यिकीय लाभांश बताती है, कहीं ऐसा न हो कि युवा वर्ग आपदा बन जाए।लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में परीक्षा पत्र लीक होने, राममंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदेश में प्राइमरी स्कूलों के बंद होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 20 से अधिक पेपर लीक हुए हैं।कानून के विषय में अखिलेश ने कहा कि सरकार खुद के बनाये कानून में संशोधन लेकर आई है। यह लोगों की आंख में धूल झोंकने जैसा है। कानून से पेपर लीक रुके होते तो रुके क्यों नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए को आउटसोर्स कर दिया है।चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने सपा नेता अखिलेश यादव से पूछा कि छात्र आंदोलन पर कानून बनाने वाले अच्छे हैं या छात्रों के आंदोलन पर इमरजेंसी लगाने वाले। इस पर अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया और कहा कि इमरजेंसी के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ था।

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम होगा अपग्रेड, वंदे भारत संचालन को मिलेगा बल

नई दिल्ली,,(आरएनएस) भारतीय रेलवे ने नेटवर्क क्षमता बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के परभणी-मुदखेड़ दोहरी लाइन रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी है। 163 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत विद्युत आपूर्ति से जुड़े आवश्यक कार्य भी किए जाएंगे।रेल मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि परियोजना के तहत 164 ट्रैक किलोमीटर लंबे रेलखंड पर मौजूदा 1×25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली को अत्याधुनिक 2×25 केवी प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही बढ़े हुए विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति अवसंरचना को भी सुदृढ़ किया जाएगा।परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर-इंदौर-खंडवा-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद-महबूबनगर-धोने को जोड़ता है।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष और दीपक बालियान लौटे घर

नई दिल्ली, (आरएनएस) । सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका और दीपक बालियान मंगलवार को जयपुर स्थित अपने घर लौट गए।यह जानकारी खुद रांका ने एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा, पिछले दो महीनों से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के बाद आज मेरे साथी दीपक बालियान और मैं जयपुर स्थित अपने घर लौट रहे हैं। हम आज शाम 5 बजे राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों से मिलेंगे।रांका ने कहा कि जब तक हम देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक नहीं कर लेते, तब तक सीजेपी चुप नहीं बैठेगी।उल्लेखनीय है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब 37 दिनों तक सीजेपी ने छात्र आंदोलन चलाया।इस दौरान केंद्र सरकार से बातचीत करने वाले सीजेपी के प्रतिनिधियों में प्रवक्ता सौरव दास के साथ आशुतोष रांका भी थे।

ऑपरेशन नवजीवन-II में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची, (आरएनएस) । झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन नवजीवन-I के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं।

देर रात को सरकार और सीजेपी के बीच बनी सहमति, बिहार-असम के बाद अब इस राज्य में भी कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नीट-यूजी गड़बड़ियों और छात्र आंदोलन को लेकर सख्त तेवर अपना रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अल्टीमेटम के बाद केंद्र सरकार पूरी तरह हरकत में आ गई है। देर रात सरकार के प्रतिनिधियों और सीजेपी नेताओं के बीच हुई एक बेहद अहम और लंबी बैठक में प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी है। पार्टी ने दावा किया है कि इस उच्चस्तरीय बैठक के बाद सरकार ने साफ भरोसा दिया है कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने बिहार और असम के साथ-साथ अब अन्य सभी भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी दर्ज मामलों को तुरंत वापस लेने और हिरासत में लिए गए युवाओं को रिहा करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करने की पक्की गारंटी दी है।

अल्टीमेटम के बाद आधी रात को 3 घंटे चली मैराथन बैठक

गौरतलब है कि दिन में सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए फिर से देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की सीधी चेतावनी दी थी। इस चेतावनी के कुछ ही घंटों बाद सरकार के प्रतिनिधि रात में ही सीजेपी नेताओं से मिलने पहुंचे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि यह महत्वपूर्ण बैठक करीब दो से तीन घंटे तक चली, जिसमें छात्रों और युवाओं की कानूनी सुरक्षा पर गहन मंथन हुआ। दास ने बताया कि सरकारी प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान ही बिहार और असम गृह विभाग की आधिकारिक अधिसूचनाओं की प्रतियां साझा कीं, जिनमें साफ लिखा है कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जा रही हैं, भविष्य में उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी और गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाएगा।

क्रेडिट कार्ड का बिल भरने के लिए वीकेंड पर रैपिडो चलाने लगा सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सामने आई गिग वर्कर्स की असली मुश्किलें

बेंगलुरु,(आरएनएस)। आईटी सिटी बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपना भारी-भरकम क्रेडिट कार्ड बिल भरने और अतिरिक्त कमाई करने के लिए वीकेंड पर रैपिडो बाइक चलाना शुरू किया। शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा रहा, लेकिन एक दिन एक राइड के दौरान हुए कड़वे अनुभव और मारपीट ने उसकी आंखें खोल दीं। रेडिट पर अपनी यह आपबीती साझा करते हुए इंजीनियर ने बताया कि कैसे इस एक घटना ने गिग वर्कर्स (ऐप आधारित कैब और बाइक ड्राइवर) के प्रति उसका नजरिया पूरी तरह से बदल दिया। इस वायरल पोस्ट को पढ़कर लोग अब राइड-हेलिंग ड्राइवर्स की रोजाना की परेशानियों और जोखिमों पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं।

क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए शुरू की पार्ट-टाइम ड्राइविंग

रेडिट पर किए गए अपने पोस्ट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बताया कि किराए के कमरे का खर्च उठाने और घर की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के दौरान उस पर क्रेडिट कार्ड का एक भारी बिल बकाया हो गया था। किसी से पैसे उधार मांगने के बजाय उसने अपने खाली समय का सही इस्तेमाल करने की सोची। चूंकि उसे बाइक चलाने का शौक था और वीकेंड पर उसके पास काफी समय होता था, इसलिए उसने रैपिडो और उबर कैप्टन के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया और वीकेंड पर कुछ घंटे

राइड्स लेनी शुरू कर दीं।

शुरुआती हफ्तों के बाद एक राइड ने बदल दिया पूरा अनुभव

इंजीनियर ने बताया कि शुरुआती कुछ हफ्तों में उसका यह प्रयोग काफी अच्छा रहा और उसने शानदार कमाई भी की। करीब 20 राइड्स पूरी करने के दौरान ज्यादातर यात्री बेहद अच्छे और सहयोगी मिले, जिसे देखकर उसे हैरानी हुई कि ज्यादा लोग वीकेंड पर इस तरह अतिरिक्त कमाई क्यों नहीं करते। लेकिन जल्द ही एक वीकेंड पर उसकी यह खुशफहमी टूट गई, जब वह एक यात्री को पिक करने पहुंचा। वहां यात्री के एक साथी ने बिना किसी ठोस वजह के उससे राइड कैंसिल करने को कहा।

जुर्माने की बात पर भड़का शख्स, हेलमेट पर किया हमला

जब इंजीनियर ने नियम समझाते हुए बताया कि अपनी तरफ से राइड कैंसिल करने पर कैप्टन (ड्राइवर) पर जुर्माना लगता है और यह कैंसिल ग्राहक को ही अपने ऐप से करना होगा, तो उस शख्स ने बहस शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ गया कि उस व्यक्ति ने गुस्से में आकर इंजीनियर के हेलमेट पर इतनी जोर से हमला किया कि उसका शीशा ही टूट गया। मामले को और तूल देने के बजाय इंजीनियर समझदारी दिखाते हुए वहां से चुपचाप चला गया, लेकिन इस घटना ने उसे अंदर तक झकझोर कर रख दिया।

'मेरे लिए यह पार्ट-टाइम है, लेकिन जिनका घर इससे चलता है उनका क्या?'

इस घटना का जिक्र करते हुए इंजीनियर ने लिखा कि उसने अपनी मर्जी से यह काम चुना था और खराब अनुभव होने पर वह अगले हफ्ते से राइड्स लेना बंद कर सकता है, क्योंकि उसके पास अपनी आईटी जॉब का मुख्य सहारा है। लेकिन उसने उन हजारों गिग वर्कर्स का दर्द महसूस किया, जिनका पूरा घर और आजीविका ही केवल इसी काम पर निर्भर है। उसने अपनी पोस्ट में लिखा कि इन ड्राइवर्स को रोजाना खराब व्यवहार, नशे में धुत यात्रियों, बेवजह राइड कैंसिल होने, गाड़ी खराब होने और सुरक्षा जैसे कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद कंपनियां विवाद की स्थिति में ग्राहकों की तुलना में अपने ड्राइवर्स की बहुत कम मदद करती हैं, जिससे उन्हें रोजाना मानसिक और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

टिकट कैंसिल करने पर कितनी होती है रेलवे की कमाई? रेल मंत्री ने संसद में खोला बड़ा राज

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय रेलवे टिकट कैंसिल होने और बिना रद्द कराए गए वेटिंग टिकटों के जब्त किराए से हर साल भारी कमाई करता है, लेकिन इसका कोई अलग से जोन-वार रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने सामान्य ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के बिल्कुल अलग नियमों की भी विस्तृत जानकारी दी।

संसद में सांसद के सवाल पर रेल मंत्री का खुलासा

कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने राज्यसभा में पिछले तीन सालों के दौरान टिकट कैंसिलेशन शुल्क और वेटिंग टिकटों से रेलवे को जोन-वार हुई आय का ब्योरा मांगा था। उन्होंने कैंसिलेशन शुल्क के जरिए रेलवे द्वारा भारी राशि जुटाने पर चिंता भी जताई थी। इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे इस आय का जोन के हिसाब से अलग ब्योरा मेंटेन नहीं करता है। उन्होंने सदन को बताया कि सामान्य ट्रेनों और नई प्रीमियम ट्रेनों के रिफंड नियमों में बड़ा अंतर है, जिसे यात्रियों के लिए जानना बेहद जरूरी है।

सामान्य ट्रेनों में टिकट रद्द करने पर कटता है इतना चार्ज

सामान्य ट्रेनों के नियमों के मुताबिक, अगर कोई कंफर्म टिकट ट्रेन रवाना होने से 48 घंटे पहले कैंसिल कराया जाता है, तो क्लास के हिसाब से तय राशि काटी जाती है। इसमें फर्स्ट एसी के लिए 240 रुपये, सेकेंड एसी के लिए 200 रुपये, थर्ड एसी के लिए 180 रुपये, स्लीपर के लिए 120 रुपये और रिजर्व्ड सेकेंड क्लास के लिए 60 रुपये का शुल्क लागू होता है। वहीं, ट्रेन छूटने से 48 घंटे से लेकर 12 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर किराए का 25 प्रतिशत और 12 घंटे से 4 घंटे पहले तक कैंसिल कराने पर 50 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाता है। ट्रेन रवाना होने के 4 घंटे से कम समय पहले कंफर्म टिकट रद्द कराने पर कोई रिफंड नहीं मिलता है, जबकि वेटिंग या आरएसी टिकटों को 30 मिनट पहले तक कैंसिल कराने पर 60 रुपये प्रति यात्री क्लर्केज फीस काटी जाती है।

वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस के लिए तीन नए स्लैब

रेल मंत्री ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर और नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के कंफर्म टिकट कैंसिलेशन के लिए तीन अलग स्लैब बनाए गए हैं। इन ट्रेनों में रवाना होने से कम से कम 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल कराने पर किराए का 25 प्रतिशत हिस्सा कटता है। वहीं, 72 घंटे से लेकर 8 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर 50 प्रतिशत किराया जब्त हो जाता है, जबकि 8 घंटे से कम समय में कैंसिलेशन पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता।

कालाबाजारी रोकने के लिए बनाए गए सख्त नियम

प्रीमियम ट्रेनों के लिए अलग और सख्त नियम बनाने के पीछे का तर्क देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कदम असामाजिक तत्वों द्वारा फर्जी या सट्टेबाजी वाली बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस नई व्यवस्था से अमृत भारत एक्सप्रेस के स्लीपर क्लास के कंफर्म टिकटों के लिए कुछ दूरी पर न्यूनतम कैंसिलेशन चार्ज सामान्य ट्रेनों के मुकाबले कम हो गया है। हालांकि, इन प्रीमियम ट्रेनों में भी वेटिंग या आरएसी टिकटों के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

संसद के बाहर भाजपा सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पंजाब में कथित पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की। भाजपा सांसदों का आरोप है कि पंजाब में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

ईरान की चेतावनी, कहा- हम युद्ध नहीं चाहते, अगर थोपा जाएगा तो छोड़ेंगे नहीं..

वॉशिंगटन(ए.)। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने मंगलवार को एक समारोह के दौरान हजारों साल पुरानी ईरानी सभ्यता और ईरानी लोगों के हौसले की तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्लामिक रिपब्लिक किसी से युद्ध या टकराव की कोशिश नहीं कर रहा, लेकिन अगर ईरान पर युद्ध थोपा गया, तो देश अपना बचाव पूरी मजबूती से करेगा। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को तेहरान में राष्ट्रीय कौशल सप्ताह और राष्ट्रीय उद्यमिता एवं तकनीकी-व्यावसायिक प्रशिक्षण दिवस के कार्यक्रम में बोलते हुए उपराष्ट्रपति आरिफ ने कहा कि इजरायल और अमेरिका के नेतृत्व वाली ताकतें अपने किसी भी मकसद में कामयाब नहीं हो सकीं। उन्होंने इसे हजारों साल पुरानी सभ्यता वाले ईरानी लोगों के हौसले और मजबूती का नतीजा बताया। आईआरएनए के अनुसार, उन्होंने कहा, हम युद्ध या टकराव नहीं चाहते। हम बातचीत के जरिए समस्याओं और मतभेदों का हल निकालना चाहते हैं। लेकिन, अगर हम पर युद्ध थोपा गया, तो हम अपना बचाव पूरी ताकत से करेंगे। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, आरिफ ने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व वाली ताकतों ने क्षेत्र के कुछ अरब देशों के संसाधनों के सहारे नई बनी इस्लामिक रिपब्लिक पर आठ साल का युद्ध थोप दिया था।

'मेलानिया को कैसे मारें?', वायरल हुआ ईरान का खौफनाक वीडियो, क्या सीधे निशाने पर है ट्रंप परिवार?

तेहरान/वॉशिंगटन (ए.)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई को दफनाए जाने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच की दुश्मनी अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। तेहरान की सड़कों पर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूरे परिवार को ताबूत में दिखाने वाले बिलबोर्ड लगाए गए हैं, वहीं अब सोशल मीडिया पर जारी एक सनसनीखेज वीडियो ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। इस वीडियो में अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप को सीधे तौर पर निशाना बनाते हुए उनकी दिनचर्या और आने-जाने के ठिकानों को दिखाया गया है, जिसका शीर्षक 'मेलानिया ट्रंप को कैसे मारें?' रखा गया है। इस घटनाक्रम के बाद से अमेरिका में ट्रंप परिवार की सुरक्षा को लेकर हाई अलर्ट जैसी स्थिति बन गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस भड़काऊ वीडियो में दावा किया गया है कि मेलानिया ट्रंप न्यूयॉर्क सिटी में अपनी मोटरकेड के साथ किन रास्तों से गुजरती हैं।

जापान में सबसे बड़ा भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी; 7.1 से दहला गया देश

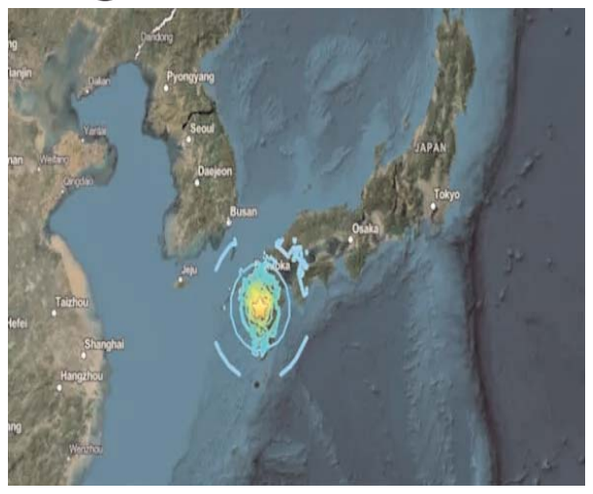

टोक्यो(ए.)। जापान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में सोमवार को 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया। भूकंप के झटकों से कई इलाकों में दहशत फैल गई, जबकि प्रशासन ने लोगों से समुद्र तटों और निचले तटीय क्षेत्रों से तत्काल दूर रहने की अपील की है। आशंका जताई गई है कि समुद्र में कई फीट ऊंची लहरें उठ सकती हैं।जापान मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र कुमामोटो प्रांत के उकी क्षेत्र के पास जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। जापान के भूकंपीय पैमाने (शिंदो स्केल) पर इसकी तीव्रता शिंदो-7 दर्ज की गई, जिसे अत्यंत विनाशकारी श्रेणी माना जाता है। सुनामी की चेतावनी कुमामोटो के पश्चिमी तट पर स्थित आरिएक खाड़ी (Ariake Bay) के लिए जारी की गई है। यह क्षेत्र राजधानी टोक्यो से लगभग 900 किलोमीटर दूर है। प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और सरकारी निर्देशों का पालन करने को कहा है। भूकंप के झटके कुमामोटो के अलावा यात्सुहिरो, उतो, माशिकी और मिसातो में भी जोरदार महसूस किए गए, जहां शिंदो स्केल पर 6 तक की तीव्रता दर्ज की गई। वहीं नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा और मियाजाकी सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी मध्यम तीव्रता के झटके महसूस हुए।भूकंप के कारण कुमामोटो क्षेत्र में बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

क्युशु इलेक्ट्रिक के अनुसार, करीब 45,600 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। हालांकि अब तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र के सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्र फिलहाल सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की तकनीकी खराबी या विकिरण रिसाव की सूचना नहीं मिली है।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में भी कुमामोटो में आए विनाशकारी भूकंप में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, लगभग 1,800 लोग घायल हुए थे और हजारों मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। इस बार भी प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को सतर्क रखा गया है।

POK में प्रदर्शन के दौरान हालात बेकाबू, शहबाज सरकार की हिंसक कार्रवाई में 20 से ज्यादा लोगों की गई जान, कई घायल

इस्लामाबाद(ए.)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के लॉन्ग मार्च के दौरान कम से कम 20 लोग मारे गए और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना इस इलाके में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी अधिकारियों की बढ़ती कार्रवाई के बीच हुई।मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डिटेल्स शेयर करते हुए जेएएसी ने कहा, लॉन्ग मार्च का कारवां रावलकोट शहर पहुंच गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, 19 मरने वालों की पहचान कन्फर्म हो गई है, जबकि एक व्यक्ति के पास पहचान के कागजात नहीं थे और उसके सिर में गोली लगी थी; उसकी बॉडी पलांद्री हॉस्पिटल में है। इस तरह, कुल मौतों की संख्या कम से कम 20 हो गई है।

इसके अलावा, बाकी डिटेल्स बाद में आएंगे।इसमें आगे कहा गया, "प्रदर्शनकारी रावलकोट शहर के चांदनी चौक पर मौजूद हैं। दिन निकलते ही, शहीद चौक पर एक सभा होगी, जहां आगे की कार्रवाई की घोषणा की जाएगी।" यह मार्च तब किया गया जब जेएएसी और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच बातचीत का कोई ऐसा नतीजा नहीं निकला जिसे दोनों पक्ष एक-दूसरे से स्वीकार करें। ऐसे में प्रदर्शन करने के लिए लोगों को फिर से बुलाया गया। इसकी शुरुआत रविवार को मीरपुर डिवीजन से हुई, जिसके बाद सोमवार को मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने से पहले कारवां रावलकोट धरने पर इकट्ठा हुए। इस बीच, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पीओके में बढ़ते मानवाधिकार के उल्लंघन की ओर दिलाया।रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए समूह ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल ने सोमवार शाम को रावलकोट में शांति से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हिंसक कार्रवाई की। आम लोगों पर घातक हथियारों, भारी गोलाबारी, आंसू गैस और दूसरे तरह के बल का इस्तेमाल किया गया, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हुए। रिपोर्ट की गई हिंसा पर चिंता जताते हुए इसने कहा, "गोलाबारी और घातक हथियारों का इस्तेमाल जारी है, जिससे आम लोगों की जान जाने का डर और बढ़ गया है।" समूह ने संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन और लोकतांत्रिक सरकार से अपील की कि वे पाकिस्तानी सेना द्वारा शांति से रह रहे आम लोगों के खिलाफ घातक हथियारों, शेलिंग और बहुत ज्यादा बल के इस्तेमाल को तुरंत रोकने की मांग करते हुए तुरंत कार्रवाई करें।

पीओके में चल रहे ये प्रदर्शन इस इलाके में इस्लामाबाद के लंबे समय से चले आ रहे कंट्रोल के लिए सीधी चुनौती बनकर उभरे हैं। पाकिस्तानी सेना ने बार-बार बेरहमी से कार्रवाई की है, जिसमें कई आम लोग मारे गए और घायल हुए हैं, जबकि यह इलाका अभी भी सख्त नाकाबंदी, कर्फ्यू और पूरी तरह से कम्युनिकेशन ब्लैकआउट के तहत है। पिछले महीने, भारत ने पाकिस्तान की आलोचना की थी कि वह पीओके में प्रदर्शनकारियों पर चल रही कार्रवाई के दौरान अपनी गलतियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान हटाने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है और फेक न्यूज और वीडियो का एक पैटर्न बना रहा है।

पेरिस की सड़क पर सनकी चाकूबाज का खूनी खेल, गर्भवती समेत 3 महिलाओं को बेरहमी से गोदा

पेरिस (ए.)। फ्रांस की राजधानी पेरिस की एक शांत सुबह उस समय चीख-पुकार और दहशत में बदल गई, जब सड़क पर चल रही तीन बेकसूर महिलाओं को एक सनकी चाकूबाज ने खून से लथपथ कर दिया। इस दिल दहला देने वाले हमले का शिकार हुई महिलाओं में एक गर्भवती भी शामिल है, जिसकी बर्बरता देख मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। हमलावर के दोनों हाथों में बेहद नुकीले चाकू थे और वह लगातार चीख रहा था कि वह 'अल्लाह का सिपाही' है और उसे लोगों को मारने का फरमान मिला है। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूटकेस फेंककर भीड़ ने दबोचा, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मी ने दिखाया साहस

उत्तरी पेरिस के पोर्ते दि क्लिची इलाके में हुई इस खौफनाक वारदात के चश्मदीद मोहम्मद अली बुहादजार ने बताया कि हमलावर एक महिला पर पीछे से बेरहमी से वार कर रहा था। यह दृश्य देखकर जब उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया, तो आसपास के लोग सतर्क हो गए। खुद को घिरता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन तभी एक बहादुर राहगीर ने उसके ऊपर भारी सूटकेस फेंक कर मारा, जिससे उसके हाथ से चाकू छूटकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद गुस्साए लोगों ने उसे वहीं जमीन पर पटक कर दबोच लिया। मौके पर संयोग से एक ऑफ-ड्यूटी पुलिस अधिकारी भी मौजूद था, जिसने बिना अपनी जान की परवाह किए तुरंत एक्शन लिया और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचा दिया।गिरफ्तारी के बाद जब इस सनकी हमलावर को अदालत में पेश किया गया, तो उसके चेहरे पर इस बर्बरता के लिए कोई पछतावा नहीं दिखा।

फीचर

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है शिया बटर लिप बाम, जानिए तरीका

शिया बटर लिप बाम प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है। यह न केवल होंठों को नमी देता है, बल्कि उन्हें सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाता है। शिया बटर में विटामिन-ए और विटामिन-ई होते हैं, जो होंठों को पोषण देते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। इस लेख में हम आपको घर पर शिया बटर लिप बाम बनाने का तरीका बताएंगे, जिससे आप अपने होंठों को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं।

जरूरी चीजें

घर पर शिया बटर लिप बाम बनाने के लिए आपको कुछ सरल चीजों की जरूरत होगी। सबसे पहले आपको शुद्ध शिया बटर, नारियल का तेल, बादाम का तेल और कुछ खुशबूदार तेल चाहिए होंगे।इसके अलावा आपको एक साफ डिब्बा, एक छोटे चम्मच और एक माइक्रोवेव या चूल्हे की भी जरूरत पड़ेगी।इन सभी चीजों को इकट्ठा करके आप शिया बटर लिप बाम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।

शिया बटर और नारियल का तेल मिलाएं

सबसे पहले एक छोटे बर्तन में शिया बटर और नारियल का तेल डालें और इसे धीमी आंच पर गर्म करें।जब तक कि यह पूरी तरह से पिघल न जाए तब तक लगातार चलाते रहें। ध्यान रखें कि इसे अधिक गर्म न करें क्योंकि इससे इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।जब मिश्रण पिघल जाए तो गैस बंद कर दें और इसे थोड़ा ठंडा होने दें। इससे आपका बेस तैयार हो जाएगा, जिसमें विटामिन-ए और विटामिन-ई होंगे।

खुशबूदार तेल डालें

अब इस मिश्रण में अपने पसंदीदा खुशबूदार तेल डालें। आप लैवेंडर, पुदीना या नारियल आदि किसी भी प्रकार के खुशबूदार तेल का उपयोग कर सकते हैं। यह न केवल लिप बाम को खुशबूदार बनाएगा बल्कि इसमें अतिरिक्त लाभ भी जोड़ देगा।उदाहरण के लिए पुदीना तेल लगाने से होंठों पर ठंडक महसूस होगी और वे ताजगी भरे रहेंगे। इसके अलावा नारियल तेल लगाने से होंठ मुलायम और चमकदार बनेंगे।

मिश्रण को जमाएं

जब मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए तो इसे साफ डिब्बे में डालें और कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। ठंडा होने पर आपका शिया बटर लिप बाम तैयार हो जाएगा, जिसे आप आसानी से उपयोग कर सकते हैं।यह लिप बाम आपके होंठों को प्राकृतिक रूप से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाए रखेगा। इसे आप अपने हाथों में भी लगा सकते हैं ताकि आपकी त्वचा को नमी मिले।

कैसे करें इस्तेमाल?

आप इस लिप बाम का इस्तेमाल दिन में कई बार कर सकते हैं, खासकर जब आप बाहर हों या कहीं जा रहे हों।इसे अपने होंठों पर लगाएं और धीरे-धीरे मालिश करें ताकि यह अच्छे से समा जाए। यह आपके होंठों को सूखेपन से बचाएगा और उन्हें नमी प्रदान करेगा। इस प्रकार शिया बटर लिप बाम बनाने की प्रक्रिया सरल और फायदेमंद है, जिससे आप अपने पूरे परिवार के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

ऋषभ शेट्टी की द प्राइड ऑफ भारत से जुड़ीं भूमि पेडनेकर, वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा की किरदार से मचाएंगी तहलका

ऋषभ शेट्टी अपनी आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर चर्चा में हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित इस ऐतिहासिक ड्रामा में बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेरॉय पहले से अहम किरदारों में शामिल थे। ताजा अपडेट है कि एक और बालीवुड अभिनेत्री इस परियोजना का हिस्सा बन गई हैं, जो भूमि पेडनेकर हैं। ये पहला मौका होगा, जब फैंस उन्हें दक्षिण सिनेमा की फिल्म में डेब्यू करते हुए देखेंगे।

मशहूर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने एक्स पर आधिकारि पोस्ट साझा करते हुए भूमि के परियोजना में शामिल होने की जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि अभिनेत्री फिल्म में कर्नाटक की वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट साहस के लिए जाना जाता है।

वहीं शेफाली शाह छत्रपति की मां राजमाता जीजाबाई का किरदार निभाएंगी।

इस फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी द्वारा तैयार किया जा रहा है। ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज का निर्माण 2 भागों में किया जाएगा। पहले भाग को 2028 में और दूसरे भाग को 2029 में रिलीज किया जा सकता है।इसकी शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने वाली है, जिसका ज्यादातर हिस्सा महाराष्ट्र में फिल्माया जाएगा। वहीं व्यापक पूर्व-निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है।खबरों के अनुसार, फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है।

ओह माय डॉग की रिलीज तारीख बदली, अब 1 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

पंकज त्रिपाठी की फिल्म ओह माय डॉग का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बुरी खबर है। अमित राय द्वारा निर्देशित ये फिल्म पहले 31 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, जो टल गई है। निर्माताओं ने इसे एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है, जिससे लोगों को इंतजार करना होगा। बता दें, ओह माय डॉग का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी हुआ था और तब से लोग फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ओह माय डॉग के निर्माताओं को सिनेमाघरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मार्वल की बहुप्रतीक्षित फिल्म स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे को प्राथमिकता दिए जाने की उम्मीद है।टॉम हॉलैंड और जेंडाया अभिनीत ये सुपरहीरो फिल्म बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है, जिससे छोटी फिल्मों के लिए पर्याप्त प्रदर्शन हासिल करना मुश्किल होगा।ऊपर से धमाल 4, द ओडिसी और द इंडिया स्टोरी जैसी फिल्मों की सिनेमाघरों में भरमार है।फिल्म को आगे बढ़ाने के फैसले पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि ओह माय डॉग को स्थगित करने का फैसला पूरी तरह से व्यावहारिक था, जो सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ के कारण लिया गया था, न कि फिल्म को लेकर किसी चिंता के कारण।

ममता कुलकर्णी के लोकप्रिय गाने का बना रीमेक, राणाजी 2.0 में इस बार माहिरा शर्मा ने लगाई डांस का तड़का

बॉलीवुड में लोकप्रिय गानों का रीमेक बनना कोई बड़ी बात नहीं है। अब 90 के दशक का चर्चित गाना मुझको राणा जी माफ करना रीमेक बनकर लौटा है, जिसे राणाजी 2.0 नाम दिया गया है। इसमें माहिरा शर्मा अपने डांस का तड़का लगाती हुई नजर आ रही हैं। रीमेक वर्जन में भी आवाज अलका याग्निक और इला अरुण की है, लेकिन इसका संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है, जबकि निर्माता कुमारी तौरानी हैं।टिप्स फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर राणाजी 2.0 गाना रिलीज हुआ है, जिसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।एक यूजर ने लिखा, राणा जी, सिर्फ एक हो सकते हैं और वो अमरीश पुरी हैं।एक अन्य यूजर ने लिखा, बार-बार सिर्फ अलका याग्निक के गानों का रीमेक क्यों बनाया जा रहा है? बता दें, असल में यह गाना शाहरुख खान और सलमान खान अभिनीत फिल्म करण अर्जुन (1995) का है, जिसे ममता कुलकर्णी पर फिल्माया गया था।

खाने में तीखापन लाती है लाल मिर्च, जानिए इसके सेवन से मिलने वाले फायदे

लाल मिर्च का इस्तेमाल भारतीय रसोई में बहुत आम है। इसका उपयोग खाने को तीखा और स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लाल मिर्च में कई ऐसे गुण भी होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको लाल मिर्च के कुछ ऐसे ही लाभों के बारे में बताएंगे, जो आपको हैरान कर देंगे।

वजन कम करने में है मददगार

लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है। यह तत्व शरीर की गर्मी को बढ़ाकर कैलोरी जलाने में सहायक होता है।इसके अलावा यह भूख को कम करता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन नियंत्रित कर सकते हैं।नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त कर सकते हैं।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में है सहायक

लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह आंतरिक अंगों को सक्रिय करके पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है। इसके

अलावा यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करती है।

लाल मिर्च में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और शरीर को साफ करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है प्रभावी

लाल मिर्च एक जरूरी विटामिन का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है।

यह शरीर की सुरक्षा बढ़ाकर संक्रमण और बीमारियों से बचाव करता है। नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप सर्दी-खांसी जैसी आम समस्याओं से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद गुण भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में है कारगर

लाल मिर्च खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसमें मौजूद तत्व रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है, जिससे खून का प्रवाह सुचारू होता है।यह तत्व शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ऑक्सीजन युक्त खून पहुंचाने में सहायक होता है।इसके अलावा यह तत्व थक्का बनने की संभावना को कम करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा भी घटता है।

दादागुरु की अखंड निराहार महासाधना के 2100 दिन पूर्ण हो रहे

एक अवधूत की साधना बनी प्रेरणा, एक अभियान एक समाधान

सदी की सबसे बड़ी सबसे कठोर अखंड महाव्रत साधना जो बना एक अभियान एक समाधान

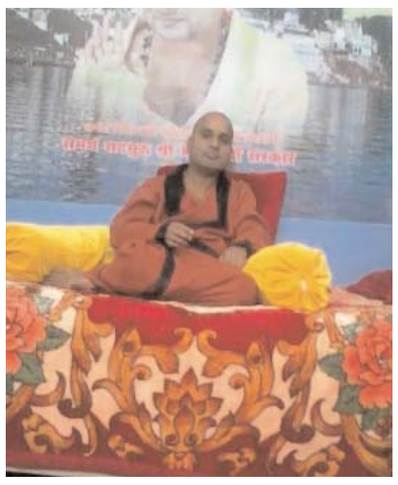

नर्मदापुरम (निप्र)। 17 अक्टूबर 2020 नवरात्रि के प्रथम दिन से आरम्भ हुई दुनियां की एक ऐसी महासाधना जो अतीत में ना कभी किसी ने की है और न ही भविष्य में कोई कर पायेगा। क्योंकि दादागुरु भगवान द्वारा यह महासाधना स्वयं के नहीं बल्कि जीव जगत ब्रह्माड के लिए की जा रही है। जो 2100 दिनों से अनवरत जारी है।

देह को विदेह कर जीने वाले महायोगी दादागुरु भगवान के निर्विकार तप में जीवन जीने की कला छिपी है। दादागुरु ने जल ही जीवन है ओर माँ नर्मदा साक्षात् जीवंत चेतन्य शक्ति है इस वाक्य को नर्मदा जल पर् 6 वर्षो से आश्रित रहकर स्वयं चरितार्थ किया है। साथ ही उन्होंने महाव्रत के दौरान तीन बार वायु पर् तथा एक बार जल पर् माँ नर्मदा की 3200 किमी की पैदल परिक्रमा एवं चार बार रक्तदान करके प्रकृति और माँ नर्मदा के पथ की माटीएवायु और जल की विलक्षण शक्ति का भी जीवंत प्रत्यक्ष परिचय दिया है।इस युग में दादागुरु ही ऐसी क्रांति के उन्नायक हैँ जो अस्तित्व और व्यक्तित्व बचाने और बनाने की मुहिम है। यही वह क्रांति है जिसकी क्रियाशीलता देश दुनिया में दृष्टिगोचर हो रही है। वैभव को त्याग वैराग्य को जीने वालेएसंचय में नहीं संघर्ष में चलने वालेए अभिमान में नहीं ध्यान में रहने वाले नर्मदा के पथ को अपना मठ मानने वाले गाँव नगर को अपना देवालय कहने वाले महायोगी अवधूत दादागुरु भगवान की इसी महा साधना से प्रगट हुआ है दुनियां का सबसे बड़ा महाअभियान। जो धर्म धरा धेनु प्रकृति पर्यावरण पवित्र नदियों पर्वतों के संरक्षण समवर्धन के साथ मानव सेवाए शिक्षा ओर स्वास्थ्य जैसे विविध आयामो के साथ वेश्विक स्तर पर् माँ नर्मदा की जीवंत चैतन्य शक्ति की महिमा ओर महत्व को स्थापित करने का अभियान है। यह साधना प्रकृति प्रधान प्राचीन भारतीय सनातनी संस्कृति की जड़ों को पोषण देने का एक अभियान बन कर ख़डी हुई है। यही साधना है जो मानव को जीवन आधार शक्तियों से जोड़ने का सार्थक अभिनव सफल कार्य कर रही है।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी के संबंध में फेसबुक पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट के विरुद्ध कार्यवाही बाबत कार्यकर्ताओं ने टीआई को दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। सांसद दर्शन सिंह चौधर के संबंध में फेसबुक पर शैलेंद्र सिंह नमक प्रोफाइल से फेसबुक पर मृत्यु एवं अंतिम संस्कार संबंधी भ्रामक आपत्तिजनक पोस्ट प्रकाशित कर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस

पहुंचाने एवं आमजन में भ्रम उत्पन्न करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई किए जाने के संबंध में आज भारतीय जनता पार्टी इटारसी के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा सिटी थाना कोतवाली जाकर नगर निरीक्षक सौरभ पांडे को तत्काल प्राथमिक की दर्ज करने हेतु ज्ञापन देकर उचित कार्रवाई करने का निवेदन किया ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से योगेंद्र सिंह राजपूत जिला विकास सलाह कार्य समिति सदस्य मेंबर, प्रशांत अग्रवाल जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य वरिष्ठ नेता शिव किशोर रावत प्रदेश प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के सह प्रभारी जय किशोर चौधरी नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत उमेश पटेल पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह मनोज मालवीय जितेंद्र मालवीय नगर पालिका सभापति राकेश जाधव विनोद बारसे मेहरबान सिंह चौहान सहित सभी भारतीय जनता पार्टी के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शास्त्रीय गायन एवं तबला वादन की मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोता मन्त्र मुग्ध हुए

नर्मदापुरम (निप्र)। स्थानीय सुर वाणी संगीत संस्था एवं संचारी संगीत विद्यालय द्वारा स्थानीय हैप्पी मैरिज गार्डन के सभागार में शास्त्रीय संगीत सभा का आयोजन किया गया जिसमें शास्त्रीय गायन वादन की शानदार प्रस्तुतियां दी गईए कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया कार्यक्रम के शुभारंभ में संचारी संगीत विद्यालय के पं प्राण कृष्ण साई के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती वंदना एवं जूनियर तथा सीनियर विद्यार्थियों द्वारा शास्त्रीय गायन की मधुर प्रस्तुतियां दी गई। इटारसी की मीरा चौधरी द्वारा बांसुरी वादन किया गया सभी में तबला संगत विपुल दुबे एवं सक्षम पाठक द्वारा की गई। सुर वाणी संगीत संस्था के गुरु प रामसेवक शर्मा के निर्देशन में उनके विद्यार्थियों द्वारा समूह तबला वादन की सुमधुर प्रस्तुतियां दी गई जूनियर एवं सीनियर कला साधकों ने अपने वादन में कायदा पेशकार रेला टुकड़े परन आदि की शानदार प्रस्तुति दी। स्पिक मैके होशंगाबाद अध्याय के सौजन्य से कोलकाता से पधारी सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती सोहनी राय चौधरी ने अपने शास्त्रीय गायन में ख्याल बंदिशे झूला कजरी ठुमरी भजन आदि आदि की मनमोहक प्रस्तुति दी गई उनके साथ तबला पर कुशल संगत मनोज पाटीदार तथा हारमोनियम पर पी.साई ने की। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा समस्त प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आनंद नामदेव तथा आभार प्रदर्शन पंडित राम सेवक शर्मा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा ओण्पी शर्मा अशोक जमनानी अशोक सोनी अंबा कुशवाह कमलेश सक्सेना डॉ हंसा सक्सेना राकेश दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रोता उपस्थित रहे।

गुरूपूर्णिमा पर विशेष

गुरु से प्रेरणा लेकर अनेक शिष्य बन गए कवि

पं गिरि मोहन गुरू ने 40 चालीसा और कई पुराण लिख दी काव्यमय

बलराम शर्मा,

नर्मदापुरम। नर्मदांचल के सुप्रसिद्ध साहित्यकार 100 से अधिक पुस्तकों के रचियिता पं गिरिमोहन गुरू को पूरा नर्मदांचल ही नहीं देश प्रदेश के तमाम साहित्यकार

भी गुरूजी के नाम से ही जानते है। उन्होंने 36 वर्ष तक शिक्षा विभाग में शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए भी कई शिष्यों को गुरू ज्ञान दिया है। इसके अलावा शिव संकल्प साहित्य परिषद नाम से साहित्यिक संस्था के जरिए सैंकड़ों की संख्या में पुस्तकों का प्रकाशन कराया है। 40 के करीब चालीसा होने वाले है। इसके साथ ही आकाशवाणी,दूर दर्शन पर भी काव्य पाठ करते रहे हैं। कई कवि सम्मेलन काव्य गोष्ठियों में संचालन कर चुके हैं। उनके द्वारा कोरोना काल में पांच पुराण काव्य मय लिखी गई हैं। उसके बाद भी काव्यमय पुराण लिखने का सिलसिला जारी है। कोरोना काल में श्रीगणेश पुराण, नर्मदा पुराण, देवी भागवत पुराण, विष्णु पुराण शिव पुराण लिख चुके हैं। यह सभी पुराण उन्होंने दोहा, चौपाई, छंद में लिखे हैं। हाल ही में रूद्राष्ट्राध्यायी रूपायन भी लिखा है। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा पूरे 18 ही पुराण काव्य मय लिखने की है। 80 से अधिक की उम्र में भी इंटरनेट पर सक्रिय हैं। उनके खुद के नाम का एक चेनल भी शुरू कर दिया है। जिसमें सप्ताह के कवि के नाम से एक कवि की कविताओं का प्रसारण किया जाता रहा है। इस प्रकार अनेक विशेषताएं लिए हैं गुरू। उनका कहना है पहली गुरु यदि मां है तो दूसरी गुरु पुस्तक ही हैं। जो ज्ञान देकर आगे की राह दिखाती है। जितने भी महान लोग हुए हैं उन्होंने पुस्तक पढ़कर ही महानता हासिल की है। मुझे बचपन से ही पुस्तक पढ़ने और लिखने के साथ संग्रह का शौक रहा है। इसी कारण हमने शिव संकल्प साहित्य परिषद का गठन किया। जिसमें सैंकड़ों साहित्यकार जुड़े हुए हैं। हमारे पास करीब 10 हजार पुस्तकों का संग्रह है। दुनिया के तमाम साहित्यकारों के द्वारा लिखी गई पुस्तकें पढ़कर ही हमने कुछ सीखा है। इसी कारण मेरी स्वयं की छोटी बड़ी करके तीन दर्जन पुस्तकें चालीसा, सहित अनेक छोटी बड़ी करके शताधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। सबसे ज्यादा पुस्तकें काव्य संग्रह की हैं। कोरोना काल में मेरे मन में आया कि पुराणों का काव्य में लेखन किया जाए। जिसमें खूब मन लगा।

वर्ष में चार बार करते हैं समारोह

गुरू के द्वारा वर्ष में चार समारोह आयोजित होते रहे हैं। जिनमें गुरु पूर्णिमा, शिक्षक दिवस, नर्मदा जयंती और महाशिव रात्रि के अवसर पर समाज के विभिन्न वर्ग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, विद्यार्थियों समाजसेवियों तथा लेखकों कवियों को सम्मानित करने के साथ ही कवि सम्मेलन अर्थात काव्य गोष्ठियां होते रहते हैं। इसके अलावा कई स्थानों पर जब पुराण होती है वहां पहुंच कर गुरूजी के द्वारा पुराण वक्ताओं को उपाधि से सम्मानित किया है।

अनेक शिष्यों ने कविता लिखना सीख लिया

गुरू जी से प्रेरणा लेकर उनके अनेक शिष्यों ने कविता लिखना सीख लिया है जो अनेक कवि सम्मेलन में अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं। इनमें प्रमुख रूप से खेमचंद यादवेश, राम किशोर नाविक, छगन लाल साहू, राजेंद्र कुमार,अखिलेश, हरिओम दीक्षित सहित और भी अनेक युवा और वरिष्ठ कवि शामिल हैं।

नर्मदापुरम में निर्यात कार्यशाला का आयोजन, MSME और FPO को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत सरकार की न्याय बंधु योजना के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश के चयनित 5 जिलों में से एक नर्मदापुरम में सोमवार को निर्यात कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला DGFT भोपाल, FIEO और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा FPO को निर्यात की प्रक्रिया, दस्तावेजों और सरकारी योजनाओं से जोड़ना था।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को निर्यात से जुड़े जरूरी दस्तावेज, लाइसेंस, पोर्टल और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों की विस्तृत जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि निर्यात में सहायता के लिए DGFT: निर्यात-आयात की अनुमति और नीति संबंधी जानकारी, FIEO: निर्यातकों और आयातकों का डेटा, बाजार की मांग, एक्ज़िम बैंक: निर्यात के लिए वित्तीय सहायता और ऋण, APEDA: कृषि उत्पादों के निर्यात में सहयोग एवं ECGC: निर्यात के दौरान आर्थिक और राजनीतिक जोखिम से सुरक्षा पोर्टल काम आते हैं। कार्यशाला में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए इंडिया पोस्ट और वॉलमार्ट वृद्धि की निर्यात सहायता योजनाओं के बारे में भी बताया गया। GM DTIC ने MSME भूमि आवंटन एवं प्रबंधन नियम, MSME प्रोत्साहन योजना, MP स्टार्टअप नीति और MP EXPORT नीति 2025 की जानकारी दी।

जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, 158 आवेदनों का किया समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान 158 आवेदनों का निराकरण किया गया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों का समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में ग्राम चांदला निवासी दिनेश गोस्वामी ने गेहूं की फसल की राशि का भुगतान ना होने की समस्या के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारी को जांच कर समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। एक अन्य मामले में ग्राम अकोला निवास मालती बाई ने अपने पति की मृत्यु के पश्चात आर्थिक सहायता प्रदाय करने हेतु आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर को जांच कर शीघ्र सहायता प्रदाय करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम आगराकला निवासी श्री बैनी प्रसाद ने खेत के आवागमन मार्ग से अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर श्री मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लिया है। श्री मिश्रा ने अनुविभागीय अधिकारी को अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। ग्राम झालसरसेठ निवासी सुमेर सिंह ने अपने की सड़क दुर्घटना में मृत्यु उपरान्त क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने के सम्बन्ध में आवेदन दिया। जिस पर श्री मिश्रा ने अनुविभागीय अधिकारी इटारसी को समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये।

डाक विभाग नर्मदापुरम संभागीय मुख्यालय पर कर्मचारियों ने की नारेबाजी

अव्यवहारिक टारगेट तथा विभाग के क्रमिक निजीकरण पर जताई जा रही नाराजगी

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को डाक विभाग नर्मदापुरम संभाग के संभागीय मुख्यालय नर्मदापुरम पर विभाग में कर्मचारियों पर थोपे जा रहे अव्यवहारिक टारगेट तथा विभाग के क्रमिक निजीकरण आदि विभिन्न मांगों को लेकर अपना आंदोलन तेज करते हुये भारतीय डाक कर्मचारी संघ ग्रुप सी पोस्टमेन एमटी एस संवर्ग तथा भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ द्वारा काली पट्टी बांधकर धरना एवं प्रदर्शन किया गया। आंदोलन के अगले चरण में 05 अगस्त 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है कर्मचारियों की मांगों पर विभाग की ओर से उचित सकारात्मक एवं व्यावहारिक समाधान नहीं किए जाने पर 18 अगस्त 2026 से राष्ट्रव्यापी अनिश्चितकालीन हड्ताल प्रस्तावित है इस बाबत भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ नई दिल्ली द्वारा विभाग को पूर्व में सूचना दे दी गई है।

कुबेरेश्वरधाम पर आज होगा गुरु दीक्षा महोत्सव, लाखों की संख्या में पहुचें श्रद्धालु

पांच दिवसीय शिव महापुराण के समापन पर भावुक हुए श्रद्धालु, पवित्र रज माथे से लगाकर बोले-फिर लौटकर आएंगे कुबेरेश्वरधाम

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में आयोजित पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा के समापन के बाद बुधवार को गुरु दीक्षा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के अंतिम चरण में देशभर से श्रद्धालु कुबेरेश्वरधाम पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण हाईवे सहित धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं और यातायात धीमी गति से चलता रहा। हर साल की तरह इस साल भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु धाम पर पहुंचे थे, समिति और प्रशासन के सहयोग से ऐतिहासिक गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन सफल किया गया।पांच दिनों तक शिवभक्ति और सत्संग में डूबे श्रद्धालु जब कथा स्थल से लौटे तो वातावरण भावुक हो गया। अनेक श्रद्धालु कथा पंडाल की पवित्र रज मिट्टी को अपने माथे से लगाते हुए उसे अपने साथ ले जाते नजर आए। कई श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं और वे एक-दूसरे से कहते दिखाई दिए फिर लौटकर आएंगे कुबेरेश्वरधाम। धाम परिसर में लगाए गए भावनात्मक संदेशों और पोस्टरों ने भी श्रद्धालुओं के हृदय को स्पर्श किया तथा विदाई के क्षणों को और अधिक भावुक बना दिया।

केंद्रीय जेल नर्मदापुरम में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर 145 बंदियों की बी/सी की जांच एवं स्क्रीनिंग

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के सहयोग से सोमवार को केंद्रीय जेल नर्मदापुरम खण्ड-अ में हेपेटाइटिस बी एवं सी की जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम की टीम ने कुल 145 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें 130 पुरुष एवं 15 महिला बंदी शामिल रहीं। जांच का उद्देश्य जेल में संक्रामक रोगों की समय पर पहचान कर उपचार एवं बचाव के उपाय सुनिश्चित करना था।जिला चिकित्सालय से इस शिविर में आर.एस. चौहान, जिला एपिडिमियोलाजिस्ट, स्वास्थ्य विभाग, आशुतोष सिंह ठाकुर, पीयर सपोर्टर, सोनू गौर, टी.आई. एनजीओ एवं हरिसिंह, लैब टेक्नीशियन उपस्थित रहे। टीम ने सभी बंदियों के रक्त नमूने लेकर हेपेटाइटिस बी और सी की स्क्रीनिंग की तथा उन्हें रोग से बचाव, स्वच्छता एवं सुरक्षित व्यवहारों के बारे में जानकारी भी दी। शिविर के दौरान जेल प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें संतोष सोलंकी, जेल अधीक्षक, प्रहलाद सिंह बरकड़े, उप अधीक्षक, संतोष सिंह हरियाल, सहायक जेल अधीक्षक, अर्पित चौधरी, अष्टकोण अधिकारी, डॉ. रिया तरुआ, मेडिकल ऑफिसर, श्रीमति इंदुराज साहू, मेल नर्स एवं अन्य जेल स्टाफ शामिल थे।

नर्मदापुरम में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई: 7 प्रकरण दर्ज, 60 हजार से ज्यादा की अवैध शराब और लाहन जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशों पर अवैध मदिरा के परिवहन, निर्माण और संग्रहण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नर्मदापुरम आबकारी विभाग ने इटारसी शहर में बड़ी कार्रवाई की। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में, मण्डल प्रभारी अधिकारी अभिलाष पाठक के नेतृत्व में आबकारी विभाग वृत्त इटारसी शहर की टीम ने नाला मोहल्ला, सूरज गंज और बालाजी मंदिर क्षेत्र में दबिश दी।कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 7 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। टीम ने मौके से विदेशी मदिरा व्हिस्की के 55 पाव, 30 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब और 450 किलो महुआ लाहन बरामद किया।

साईंनाथ बाबा की भव्य पालकी रथ यात्रा आज, नगर में गूंजेगा साईं भक्ति का उल्लास

सीहोर (निप्र)। नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बुधवार, 29 जुलाई को देखने को मिलेगा, जब साईंनाथ सेवा संस्थान समिति के तत्वावधान में साईंनाथ बाबा की भव्य पालकी रथ यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा साईंनाथ मंदिर, गंज सीहोर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए पुन: मंदिर परिसर में संपन्न होगी।आयोजन के तहत प्रात:काल साईंनाथ मंदिर में बाबा का विधि-विधान से अभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके पश्चात सायं 4 बजे भव्य पालकी रथ यात्रा का शुभारंभ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु साईं बाबा के जयघोष के साथ शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

इटारसी में घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर बड़ी कार्रवाई, 8 भोजनालयों पर प्रकरण दर्ज, 11 सिलेंडर जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर इटारसी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नीलेश शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्व और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के कई ढाबों, भोजनालयों और मिष्ठान भंडारों की जांच की।

जांच के दौरान टीम ने रेस्ट हाउस के पास स्थित चौपाटी, खेड़ा स्थित जय मां चाय-नाश्ता भोजनालय, वंश भोजनालय-ढाबा और सनखेड़ा रोड स्थित राधा कृष्ण फास्ट फूड व मामा का ढाबा

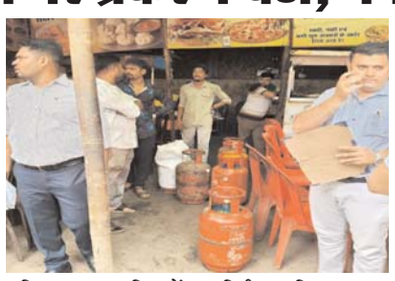

सहित कुल 8 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में इन जगहों पर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने सभी 8 भोजनालयों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए।

कार्रवाई के दौरान मौके से 11 घरेलू गैस सिलेंडर भी जप्त किए गए। एसडीएम नीलेश शर्मा ने बताया कि घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकने के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। शहर में सघन जांच कर दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में नायब तहसीलदार कृष्णकांत उइके, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जुबैर खान सहित राजस्व एवं खाद्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

अघोषित बिजली कटौती, गांधी पार्क और वृद्धावस्था पेंशन को लेकर कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को अध्यक्ष राजीव गुजराती एवं शहर अध्यक्ष घनश्याम यादव के नेतृत्व में कलेक्टर को जनहित से जुड़े तीन प्रमुख मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जिले में हो रही अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने, गांधी पार्क में प्रस्तावित सुलभ कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य निरस्त करने तथा पिछले कई महीनों से लंबित वृद्धावस्था पेंशन का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की गई।कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि पिछले कई दिनों से जिले में बिना पूर्व सूचना के घंटों बिजली कटौती की जा रही है, जिससे किसानों की सिंचाई, विद्यार्थियों की पढ़ाई और आम नागरिकों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। साथ ही विभिन्न प्रकार के सरचार्ज जोडक़र उपभोक्ताओं पर महंगे बिजली बिलों का अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। पार्टी ने नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और अतिरिक्त सरचार्ज पर रोक लगाने की मांग की।ज्ञापन में गांधी पार्क को शहर का प्रमुख प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक सार्वजनिक स्थल बताते हुए कहा गया कि पार्क के भीतर सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण होने से इसकी प्राकृतिक सुंदरता, हरित वातावरण और पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होगा। कांग्रेस ने प्रशासन से निर्माण कार्य तत्काल रोककर इसे किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की।इसके अलावा कांग्रेस ने बताया कि जिले के हजारों गरीब, असहाय और बेसहारा बुजुर्गों को पिछले चार से पांच महीनों से वृद्धावस्था पेंशन की राशि नहीं मिली है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

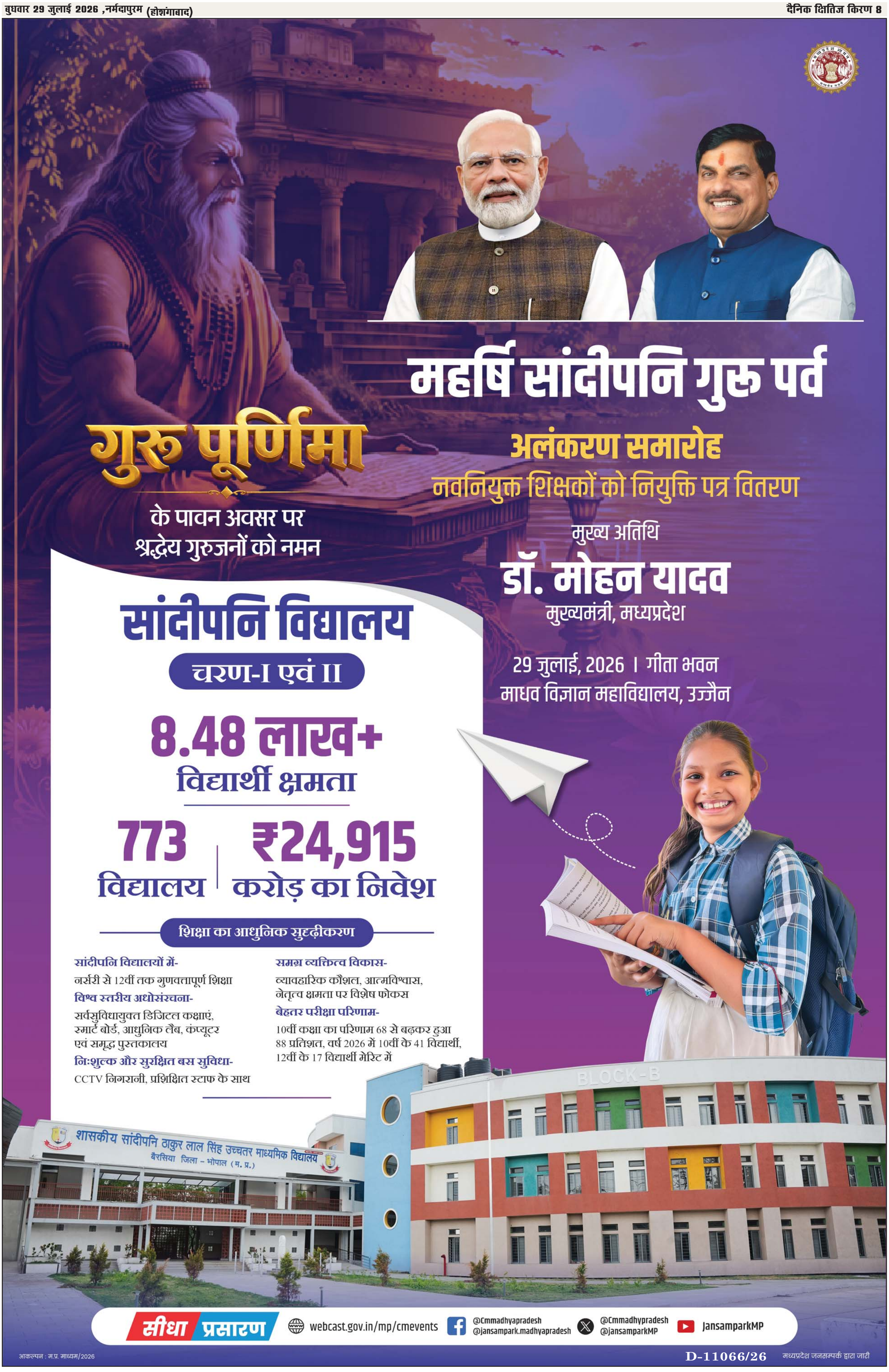
महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व
अलंकरण समारोह
नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
29 जुलाई, 2026 । गीता भवन
माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन
गुरु पूर्णिमा
के पावन अवसर पर
श्रद्धेय गुरुजनों को नमन
सांदीपनि विद्यालय
चरण-I एवं II
8.48 लाख+
विद्यार्थी क्षमता
773
विद्यालय
₹24,915
करोड़ का निवेश
शिक्षा का आधुनिक सुदृढ़ीकरण
सांदीपनि विद्यालयों में-
नर्सरी से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
विश्व स्तरीय अधोसंरचना-
सर्वसुविधायुक्त डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट बोर्ड, आधुनिक लैब, कंप्यूटर एवं समृद्ध पुस्तकालय
निःशुल्क और सुरक्षित बस सुविधा-
CCTV निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ के साथ
समग्र व्यक्तित्व विकास-
व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता पर विशेष फोकस
बेहतर परीक्षा परिणाम-
10वीं कक्षा का परिणाम 68 से बढ़कर हुआ 88 प्रतिशत, वर्ष 2026 में 10वीं के 41 विद्यार्थी, 12वीं के 17 विद्यार्थी मेरिट में
BLOCK-B
शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
बैरसिया जिला - भोपाल (म. प्र.)
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
D-11066/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी